दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7
3 माफिया सुधीर सिंह ने कोर्ट में किया आत्मसमर्पण
5 पांच नये मरीज कोरोना के मिले
8 भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम का शानदार प्रदर्शन

UPHIN51019 | वर्ष: 02, अंक: 51 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 16 जून,2025

अहमदाबाद। अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश में अब तक 265 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इनमें से 241 मृतक विमान में सवार पैसेंजर्स और क्रू मेंबर्स थे। 5 मृतक उस मेडिकल हॉस्टल के हैं, जहां प्लेन क्रैश हुआ था।

विमान जिस बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिरा, वहां 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। हालांकि, अभी यह क्लियर नहीं हुआ है कि हॉस्टल में कितनी मौतें हुई हैं। 4 डठठै छात्र और एक डॉक्टर की पत्नी के मारे जाने की खबर आ रही है।

पीएम मोदी शुक्रवार सुबह अहमदाबाद पहुंचे। सबसे पहले वे घटनास्थल का दौरा करने पहुंचे। इसके बाद वे सिविल अस्पताल गए, जहां वे करीब 10 मिनट पीड़ितों से मिले।

एअर इंडिया की बोइंग 787 ड्रीमलाइनर फ्लाइट **AI&171** ने गुरुवार दोपहर 1:38 बजे अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरी थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। दो मिनट बाद ही फ्लाइट क्रैश हो गई।

इनमें 103 पुरुष, 114 महिलाएं, 11 बच्चे और 2 नवजात थे। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे। मृतकों में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी भी शामिल हैं, जबकि सिर्फ एक यात्री की जान बची है।

> फ्लाइट नंबर AI&171 ने दोपहर 1.38 बजे उड़ान भरी ओर 1.40 बजे हादसा हो गया। उस समय प्लेन 625 फीट की ऊंचाई पर था।

अहमदाबाद एयरपोर्ट से टेक आफ हुआ विमान मेडिकल कालेज की इमारत से टकरा गया

शोक संवेदनाएं

यह हृदय विदारक आपदा है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं प्रभावित लोगों के साथ हैं। राष्ट्र इस अवर्णनीय दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है।
-राष्ट्रपति, द्रौपदी मुर्मु

अहमदाबाद में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने लोगों को एक विनाशकारी मानवीय त्रासदी का सामना करने के लिए मजबूर कर दिया है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन सभी लोगों के साथ है जो इस घटना से प्रभावित हुए है। दुख की इस घड़ी में पूरा देश उनके साथ एकजुटता से खड़ा है।
-उपराष्ट्रपति, जगदीप धनखड़

अहमदाबाद में हुई त्रासदी से हम स्तब्ध और दुखी हैं। यह हृदय विदारक है जिसे शब्दों में बयां नही किया जा सकता। दुख की इस घड़ी में, मेरी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ है। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे है। -प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी

अहमदाबाद में हुए दुखद विमान हादसे को मैं शब्दों में बयां नही कर सकता। आपदा प्रतिक्रिया बलों को तुरंत दुर्घटनास्थल पर रवाना किया गया है।
-गृह मंत्री, अमित शाह

अहमदाबाद एयर इंडिया दुर्घटना हृदयविदारक है। यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के परिवारों को जो पीड़ा हो रही होगी वह अकल्पनीय है। इस कठिन क्षण में मेरी संवेदनाएं उनमें से प्रत्येक के साथ है।
-नेता प्रतिपक्ष, राहुल गांधी

अहमदाबाद में विमान दुर्घटना की खबर बहुत दुखद है। इसमें कई यात्रियों की जान चली गई है। मैं ईश्वर से सभी की सुरक्षा की प्रार्थना करता हूं और आशा करता हूं कि ऐसी घटनाओं में और लोगों की जान न जाए।
-सीएम उप्र, योगी आदित्यनाथ

शोक संवेदनाएं

'अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया के दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे की खबर दुखद और पीड़ादायक है। मैं यात्रियों व विमान स्टाफ (चालक दल) की कुशलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।'
-मुख्यमंत्री हरियाणा, नायब सिह सैनी

'अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का समाचार अत्यंत पीड़ादायक और स्तब्ध कर देने वाला है। मैं सभी यात्रियों एवं उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि सभी यात्री सकुशल हों और घायल लोगों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिले। इस कठिन समय में हम सभी प्रभावित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़े है।'
-सीएम दिल्ली, रेखा गुप्ता

अहमदाबाद में हुआ विमान हादसा अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। एयर इंडिया के विमान हादसे की इस खबर से मैं अत्यंत मर्माहत हूं।शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं प्रभावित परिवार के साथ है।
-मुख्यमंत्री बिहार, नीतीश कुमार

'क्या पता था, ये सफर आख़िरी होगा'!
मॉं-बाप के साथ दो मासूमों की भी मौत

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर क्रैश हुआ प्लेन

विमान में 242 नागरिक सवार थे

169 - भारतीय
7 - पुर्तगाल
53 - ब्रिटिश
1 - कनाडा

इसके आलावा क्रू मेंबर भी सवार थे

सम्पादकीय

जून आते ही आपातकाल की चर्चा शुरु

देश में एक बार फिर आपातकाल पर चर्चा छेड़ी जा चुकी है। पिछले 11 सालों से यह सिलसिला चल ही रहा है कि जून का महीना आते ही आपातकाल की याद दिलाकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके साथ कांग्रेस को भी कटघरे में खड़ा किया जाए। देश में एक बार फिर आपातकाल पर चर्चा छेड़ी जा चुकी है। पिछले 11 सालों से यह सिलसिला चल ही रहा है कि जून का महीना आते ही आपातकाल की याद दिलाकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके साथ कांग्रेस को भी कटघरे में खड़ा किया जाए। ठीक है कि इतिहास की गलतियों से सबक लेकर वर्तमान सुधारने और भविष्य को संवारने की नसीहत दी जाती रही है। लेकिन यहां मकसद कुछ और ही दिखता है। पहली बात तो यह कि आपातकाल किन हालात में लागू किया गया, संवैधानिक व्यवस्था के तहत ही इस पर फैसला लिया गया या नहीं, अगर उस समय आपातकाल नहीं लगाया जाता तो क्या पूरे देश में अराजकता नहीं फैल जाती, इन बातों पर ईमानदारी से विचार न कर केवल एकतरफा राय थोपी जाती है कि इंदिरा गांधी तानाशाही मानसिकता की थीं, वे सारी शक्ति अपने हाथ में रखना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने आपातकाल लगाया। ऐसे इल्जाम लगाने वाले लोग भूल जाते हैं कि उन्हीं इंदिरा गांधी को फिर से जनता ने ही भारी बहुमत देकर सत्ता पर बिठाया था। खैर, आपातकाल आज से 50 बरस पुरानी बात है और इस एक फैसले के अलावा भी इंदिरा गांधी ने बहुत से अन्य क्रांतिकारी फैसले लिए थे, प्रिवीपर्स का खात्मा, बैंकों का राष्ट्रीयकरण, परमाणु परीक्षण, बांग्लादेश का निर्माण, इन सब फैसलों की तारीख और साल भाजपा उस तरह से याद क्यों नहीं करती है, जैसे आपातकाल को करती है। यहीं मकसद की बात सिद्ध होती है कि जब अपनी सत्ता की उपलब्धियां गिनाने के लिए कुछ खास न रहे, तो फिर पूर्ववर्ती शासकों की गलतियां गिनाकर ध्यान भटकाया जाए। भाजपा इस समय इसी कार्य में लगी है।

आपातकाल के पचास बरस पर मोदी सरकार के 11 बरस भारी पड़ सकते थे, बशर्ते इस एक दशक में देश को सम्मान और लोकतंत्र को मजबूत करने वाला कोई काम हुआ होता। मगर 11 सालों की याद करें तो सबसे पहले योजना आयोग का खात्मा, फिर नोटबंदी, जीएसटी, लॉकडाउन, किसान आंदोलन, सीएए, एनआरसी, जम्मू–कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा वापस लेना, उसे केंद्र शासित राज्य बनाकर दो हिस्सों में बांटना, राम मंदिर उद्घाटन ऐसे कार्य और फैसले ही याद आते हैं। इन सबमें उपलब्धि कम और विवाद ज्यादा खड़े हुए हैं, और जो रही–सही कसर थी, उसे डोनाल्ड ट्रंप के अपमानजनक व्यवहार ने पूरी कर दी। भारत का वैश्विक स्तर पर अपमान करने की चेष्टा अमेरिका ने शुरु से की, लेकिन नेहरूजी से लेकर बाजपेयीजी और डा. मनमोहन सिंह तक सारे प्रधानमंत्रियों का रुतबा ऐसा था कि अमेरिका कोशिश ही करता रह गया, कभी कामयाब नहीं हुआ। अब डोनाल्ड ट्रंप एक तरफ युद्धविराम पर बार–बार अपना दावा ठोंक रहे हैं और अब अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर पाकिस्तानी जनरल असीम मुनीर को खास न्यौता देकर ट्रंप ने भारत को नीचा दिखाने की चेष्टा की है। इधर कनाडा में होने जा रहे जी–7 को लेकर भी खुलासा हुआ है कि भारत को पहले इसमें आमंत्रित नहीं किया गया था, फिर प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने खुद फोन करके प्रधानमंत्री मोदी को आने का न्यौता दिया, लेकिन इससे पहले एक शर्त मनवा ली।शर्त यह कि कनाडा के साथ कानून प्रवर्तन यानी लॉ इनफोर्समेंट में भारत सहयोग करेगा। नरेन्द्र मोदी ने इस बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन प्रधानमंत्री कार्नी ने खुद इसकी जानकारी दी है। इसमें हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड का जिक्र खुल कर नहीं किया गया है। लेकिन ये समझना कठिन नहीं है कि कनाडा ने लॉ इनफोर्समेंट सहयोग की शर्त आखिर क्यों रखी। वह पहले भी भारत पर इस हत्या में भागीदार होने का इल्जाम लगा चुका है और दोनों देशों के बीच रिश्तों में खटास इसी मुद्दे के बाद बढ़ी थी। अब कनाडा अपनी शर्त मनवा कर भारत को न्यौता दे रहा है, इसका कैसा संदेश दुनिया में जाएगा, यह समझा जा सकता है। वैसे भी आखिर किसी समूह की बैठक में भागीदारी के लिए शर्त मानने की बात क्या उचित है, क्या यह भारत के सम्मान को ठेस पहुंचाना नहीं है, यह भी विचारणीय है। विदेश नीति से लेकर घरेलू मसलों तक कई मुद्दों पर इस समय व्यापक चर्चा की जरूरत है। संसद का मानसून सत्र तो अगले महीने शुरु होगा, लेकिन विपक्ष पिछले एक महीने से पहलगाम हमले और आपरेशन सिंदूर को लेकर संसद के विशेष सत्र की मांग करता रह गया और सरकार ने उसकी बात नहीं सुनी। क्या सत्ता की मनमर्जी आपातकाल जैसी ही नहीं लगती है। संसद में बैठे विपक्षी सांसदों की बात सरकार नहीं सुनती, अपने आलोचक लेखकों–पत्रकारों–बुद्धिजीवियों पर तरह–तरह के अंकुश लगाए जाते हैं, किसानों की मांगें पूरी नहीं होतीं, विद्यार्थियों की तकलीफ सरकार नहीं समझ रही है, ये सब देश में अघोषित आपातकाल की तरह ही हैं। लेकिन सरकार इसे बहुमत का अधिकार समझ कर अपना शक्ति प्रदर्शन करने में लगी है। ऑपरेशन सिंदूर का राजनैतिक मकसद पूरा होता नहीं दिखा तो अब सरकार ने इसकी चर्चा थोड़ी कम कर ली है और साथ ही आपातकाल की 50वीं बरसी मनाने के लिए जो विशेष सत्र बुलाना था, उससे भी कदम पीछे खींचे गए, क्योंकि सत्र लगता तो फिर विपक्ष सरकार से वही सवाल पूछता जो महीने भर से पूछ रहा है। हालांकि अब एक और फैसले की जानकारी आई है कि देश के सभी जिलों में 25–26 जून को मॉक पार्लियामेंट यानी नकली संसद का आयोजन करेगी और छात्रों को आपातकाल की भयावहता के बारे में बताएगी कि किस तरह कांग्रेस ने उस समय सारी शक्ति अपने हाथ में करने की कोशिश की थी और यह लोकतंत्र पर कुठाराघात था।

'मुट्ठी' में शीतलपेय

एक खामोशी है, जबकि शीतल पेय बाजार तो झाग में, सनसनी में ही ज्यादा भरोसा करता है। उसके बिना न तो चार पैसे की चीज पंद्रह और बीस रुपए में बेची जा सकती है, न एक गैर–जरूरी और एक हद तक नुकसानदेह पेय को हम–आप शान से पी सकते हैं। इसी के सहारे दो बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हजारों करोड़ का कारोबार कर चुकी हैं और सारे देसी ब्रांड लगभग समाप्त कर चुकी हैं। जून में कायदे से गर्मी की, लू की, लू से मरने वालों की और गर्मी की बीमारियों की चर्चा होनी चाहिए, एसी–कूलर की बिक्री की चर्चा होनी चाहिए, पर हो रही है आंधी–तूफान–बारिश और जल–जमाव की। इससे भी कम चर्चा है, गर्मी में सर्दी के नाम पर आग लगाने वाली कोल्ड–ड्रिंक कंपनियों की लड़ाई की। गर्मी के साथ 'इंडियन प्रीमियर लीग' (आईपीएल) का सीजन भी बीत गया और जिस क्रिकेट और 'आईपीएल' को बहाना बनाकर पेप्सी और कोक महाभारत सी जंग लड़ा करते थे, उस ट्राफी का प्रायोजक बनने की लड़ाई लड़ते थे, वह न होने पर एक आभासी युद्ध लड़ते थे, विपणन और विज्ञापन जगत अपनी प्रतिभा को इस सीजन के लिए बचाकर रखता था, वह सब इस सीजन में कहीं नहीं दिख रहा।

एक खामोशी है, जबकि शीतल पेय बाजार तो झाग में, सनसनी में ही ज्यादा भरोसा करता है। उसके बिना न तो चार पैसे की चीज पंद्रह और बीस रुपए में बेची जा सकती है, न एक गैर–जरूरी और एक हद तक नुकसानदेह पेय को हम–आप शान से पी सकते हैं। इसी के सहारे दो बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हजारों करोड़ का कारोबार कर चुकी हैं और सारे देसी ब्रांड लगभग समाप्त कर चुकी हैं। शीतल–पेय गांव–देहात में भी मिलता है, फैशन की चीज बन गया है, पर इस बार की शांति एक और कारण से ज्यादा चुभने वाली है। इस बार शीतल–पेय बाजार में एक नया खिलाड़ी उतरा है जिसने दमदार दखल दी है। बाजार में आने के साथ ही उसने एक बड़े हिस्से पर कब्जा किया है, स्थापित ब्रांडों को झकझोरा है, वितरकों को निहाल कर दिया है। ग्राहक भी पुरानी कीमत में पेय की मात्रा लगभग दोगुनी पाकर खुश हैं और लग रहा है कि देश का शीतल पेय बाजार बदलने जा रहा है। दशकों पहले मर से गए एक ब्रांड, 'कैम्पा कोला' को 'पार्ले ड्रिंक्स' वाले चौहान से मामूली कीमत पर खरीदकर मुकेश अंबानी और 'रिलायंस' ने एक नए कारोबार में पैर बढ़ाए हैं और वहां के सारे समीकरण बदल दिए है। प्रतिद्वंद्वी ब्रांडों ने कीमत कम की है, मात्रा बढ़ाने की कोशिश भी हो रही है, लेकिन ग्राहक और नीचे तक के वितरक दूसरे ब्रांड से पट जाएं तो काम आसान नहीं रहता। 'पेप्सी' और 'कोक' की तरफ से अभी जवाबी हमला नहीं हुआ है, लेकिन बाजार तो बदलता दिखता है। जानकार मानते हैं कि 'कैम्पा' का शेयर दहाई में आ चुका है।

जिस 'आईपीएल' के प्रसारण में 'कोक' और 'पेप्सी' तथा भारत में बिकने वाले उनके सबसे लोकप्रिय ब्रांड 'थम्सअप' के नए–नए विज्ञापनों की बाढ़ रहती थी, एक–दूसरे को 'गुलाब जामुन' और घटिया स्वाद वाला बताया जाता था, जिस लाल को अपना और नीले को दुश्मन बताया जाता था, वैसा इस बार कुछ नहीं है। दक्षिण के एक हीरो का बहुत औसत किस्म का विज्ञापन ही बार–बार दोहराया जा रहा था और सूचना दे रहा था कि 'कोक–पेप्सी' दौर के पहले जिस 'कैम्पा' का जलवा था, वह वापस लौट आया है। 'पेप्सी' ने 'पार्ले ड्रिंक्स' से काफी कुछ खरीदा था, लेकिन इन ब्रांडों को मरने के लिए छोड़ दिया था। पुराने मालिक 'बिसलेरी' में ऐसे लग गए कि इन ब्रांडों को सचमुच भूल गए। उनको 'कोक–पेप्सी' की लड़ाई में गुंजाइश नहीं लगी। अब 'रिलायंस' ने नए क्षेत्र में उतरने के फैसले के साथ इस पुराने ब्रांड पर दांव लगाया है। जानकार मानते हैं कि 'रिलायंस' बड़े स्तर के व्यापार, ग्राहक और वितरक को ज्यादा–से–ज्यादा लाभ देने की रणनीति से धमका रहा है। सांसदों और सरकार के सहारे कायदे–कानून बदलवाना, बाजार और विज्ञापन जगत में मारकाट की 'पेप्सी' और 'कोक' वाली रणनीति उसने नहीं अपनाई है।

अपने पांव जमाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने तथा बड़ी संख्या में सांसद जुटाकर अपना कानून बनवाने वाली 'पेप्सी' के लिए यह भी कहा जाता है कि उसने एक आयात के बदले तीन निर्यात वाला प्रलोभनकारी दांव भी धोखे वाला खेल किया और जाने किस प्रभाव में समाजवादी कहलाने वाले मंत्री शरद यादव ने उस करार पर दस्तखत कर दिए। उस करार में यह नहीं लिखा था कि–शीतलपेय का 'कन्संट्रेट' जितनी मात्रा में आयात होगा, निर्यात भी शीतलपेय का ही होगा। हमने देखा कि 'पेप्सी' ने किस तरह छोटे निर्यातकों को थोड़े ज्यादा पैसे देकर उनके बासमती, चाय, झींगा, मसाले और इसी तरह की चीजों की खेप पर अपना मोहरा लगाकर, अपने निर्यात का कोटा पूरा किया। उसने एक पैसे का भी शीतलपेय निर्यात नहीं किया।कानून बदलते ही 'कोक' भी पधार गया तथा स्वदेशी की ठेकेदारी करने वाले रमेश चौहान ने एक मोटा पैसा लिया और ज्यादातर धंधों से हाथ खींच लिया। उसके बाद काफी कुछ हुआ, लेकिन एक अजीब बात हुई कि 'थम्सअप' ही बाजार–लीडर बना रहा। यह एक अर्थ में शीतलपेय बाजार में देसी स्वाद के बने रहने का प्रमाण था। संभव है मुकेश अंबानी और उनकी टोली को यह चीज 'कैम्पा' के तीनों ब्रांड उतारने की बड़ी वजह लगी हो, पर उनसे भी पहले यह बात 'पेप्सी' जैसी कंपनी को समझ आ गई थी–लस्सी, नींबू पानी और सत्तू का शरबत पीने वालों से भी खतरा देखकर उसने पहले साल से ही आलू, टमाटर, कीनू, अमरूद, अन्नानास वगैरह की खेती और स्नैक्स के कारोबार में हाथ लगाया। नमकीन, भुजिया और चिप्स का धंधा भी जोर–शोर से शुरू किया। देखा–देखी 'हल्दी राम' और 'बीकानेर वाला' टाइप स्थानीय स्नैक–निर्माताओं ने भी बाजार में प्रवेश किया और अब 'पेप्सी' वहां आराम की स्थिति में है। पिछले साल का उसका मुनाफा 883 करोड़ का रहा था, जबकि उसने शीतल पेय के धंधे से लगभग हाथ खींच लिया है। वह अब सिर्फ 'कन्संट्रेट' आयात करके अपने 'फ्रेंचाईजी' वालों को देता है। 'वरुण ब्रेवरीज' को ही लगभग पूरा काम दे दिया गया है। दूसरी ओर 'कोक' के बारे में यह माना जाता है कि उसको भी हिन्दुस्तानी बाजार से ज्यादा लाभ नहीं हो रहा है। उसका धंधा एशिया क्षेत्र में होता है जिसमें जापान जैसे लाभ वाले देश हैं।

भारत को चाहिए संदेह से परे एक चुनाव आयोग

सरकार किस तरह से चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रही है और भारतीय चुनाव आयोग पीएमओ की इच्छा के आगे झुक रहा है, यह दिसंबर, 2024 में स्पष्ट हो गया था, जब केंद्रीय कानून मंत्रालय ने 1961 के नियमों के नियम 93 (2) में संशोधन किया था, ताकि सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले 'कागज़ात' या दस्तावेज़ों के प्रकार को प्रतिबंधित किया जा सके। यह मामला भारत के सर्वोच्च न्यायालय में भी गया स्वंतंत्रता के बाद से ऐसा कभी नहीं हुआ जब भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) पर लोगों का इतना अविश्वास रहा हो, जितना अब खुलकर व्यक्त किया जा रहा है। ईसीआई को चुनावी लड़ाई में एक तटस्थ अंपायर के रूप में अपना कर्तव्य निभाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से कई मौकों पर ऐसा लगा कि यह प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का ही एक विस्तार है। इस संवैधानिक निकाय की स्वायत्तता को कानूनी साधनों के ज़रिए सीमित कर दिया गया है। चुनावों के दौरान, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पक्ष लेता हुआ देखा गया है, खास तौर पर उनके नफरत भरे भाषणों के मामले में, और चुनाव के बाद, यह चुनावी डेटा को भी ब्लॉक कर रहा है।

हरियाणा में चुनाव 5 अक्टूबर 2024 को और महाराष्ट्र में चुनाव नवंबर 2024 में हुए। फिर भी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अब 7–8 महीने की देरी के बाद चुनावी डेटा सौंपने के लिए 'सटीक तारीख' मांगनी पड़ रही है। उन्होंने पूछा, 'मतदाता सूची सौंपने के लिए चुनाव आयोग द्वारा उठाया गया पहला अच्छा कदम है। क्या चुनाव आयोग कृपया सटीक तारीख की घोषणा कर सकता है, जिस तक यह डेटा डिजिटल, मशीन–पठनीय प्रारूप में सौंप दिया जायेगा?' सरकार किस तरह से चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रही है और भारतीय चुनाव आयोग पीएमओ की इच्छा के आगे झुक रहा है, यह दिसंबर, 2024 में स्पष्ट हो गया था, जब केंद्रीय कानून मंत्रालय ने 1961 के नियमों के नियम 93 (2) में संशोधन किया था, ताकि सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले 'कागज़ात' या दस्तावेज़ों के प्रकार को प्रतिबंधित किया जा सके। यह मामला भारत के सर्वोच्च न्यायालय में भी गया, जिसमें याचिकाकर्ताओं ने कहा कि चुनाव संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम, 2024 नागरिकों की चुनाव संबंधी महत्वपूर्ण दस्तावेजों तक पहुंच को प्रतिबंधित करके संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 का उल्लंघन करता है। सरकार ने कहा कि उसे मतदाताओं की गोपनीयता की रक्षा करने की आवश्यकता है। यह स्पष्ट था कि चुनावी डेटा प्रदान न करने के लिए सरकार एक इच्छुक पक्ष थी, और ईसीआई भी डेटा नहीं दे रहा है। सवाल यह है कि डेटा को अवरुद्ध करके ईसीआई और मोदी सरकार क्या छिपाना चाहती है? फिर चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता कहां है? और जब सरकार और ईसीआई दोनों द्वारा सावधानीपूर्वक अंधकार बनाये रखा जा रहा है, तो कोई भी व्यक्ति चुनावी प्रक्रिया पर कैसे विश्वास कर सकता है? मोदी सरकार की इच्छा के अनुसार, चलने का ईसीआई का यह एकमात्र उदाहरण नहीं है। आइए चुनावी बॉन्ड योजना मामले को याद करें। लोकसभा चुनाव 2024 से कुछ महीने पहले ही मोदी सरकार की चुनावी बॉन्ड योजना को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अवैध घोषित किये जाने और दानदाताओं और लाभार्थी राजनीतिक दलों का विवरण प्रकाशित करने के लिए चुनाव आयोग को आदेश दिये जाने के बाद भी, चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय में कुछ तर्क देकर इसे प्रकाशित न करने की पूरी कोशिश की थी। पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद चुनाव आयोग को डेटा प्रकाशित करना पड़ा। चुनाव आयोग को चुनावी बॉन्ड योजना 2018 के अनुसार दानदाताओं की गोपनीयता की रक्षा करने की आवश्यकता का तर्क देते हुए स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ तालमेल बिठाते हुए देखा।

तीन सदस्यीय चुनाव आयोग इतना कमजोर क्यों हो गया है कि उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हुक्म का पालन करना पड़े? ऐसा इसलिए है क्योंकि मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम 2023 ने दो चुनाव आयुक्तों को संवैधानिक रूप से असुरक्षित बना दिया है। केवल मुख्य चुनाव आयुक्त को ही हटाये जाने के विरुद्ध संवैधानिक रूप से संरक्षण प्राप्त है। उनका कार्यकाल मुख्य चुनाव आयुक्त की इच्छा पर निर्भर करेगा। इसके अलावा, नये कानून के तहत उन्हें नियुक्त करने का अधिकार अंततः प्रधानमंत्री के पास है, जिसे नियुक्ति समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटाकर सुरक्षित किया गया, जिससे चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में निष्पक्षता खत्म हो गयी। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में कोई पारदर्शिता नहीं रह गयी है।नवंबर 2021 में केंद्रीय कानून मंत्रालय ने सीईसी को पीएमओ के साथ बैठक में शामिल होने के लिए कहा था और सीईसी ने बैठक में भाग लिया था।

हाय ये गर्मी

यूपी में गर्मी बना रही है रिकार्ड

पश्चिमी यूपी में दो से तीन दिन और भीषण गर्मी जारी रहेगी। मौसम विभाग की ओर से गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, मथुरा, आगरा, झांसी में लू के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

गोरखपुर। प्रदेश में प्रचंड गर्मी और लू का कहर जारी है। तपिश के साथ पूर्वा हवाओं के असर से जनजीवन अस्त व्यस्त है। मौसम विभाग के अनुसार पूर्वांचल और आसपास के हिस्सों में बृहस्पतिवार से राहत मिलने के आसार हैं। वहीं पश्चिमी यूपी में दो से तीन दिन और भीषण गर्मी जारी रहेगी। मौसम विभाग की ओर से गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, मथुरा, आगरा, झांसी में लू के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बुंदेलखंड, आगरा मंडल और दिल्ली–एनसीआर के जिले प्रचंड गर्मी की चपेट में रहे। वहीं प्रयागराज, उरई, वाराणसी, सुल्तानपुर में भी तपिश और गर्म हवा के थपेड़ों से लोग बेहाल रहे। प्रदेश में 45.4 डिग्री सेल्सियस के साथ आगरा सबसे गर्म रहा, जबकि 25 जिलों में तापमान 40 से 45 डिग्री के बीच दर्ज किया गया। वहीं लू लगने से बांदा में दो जबकि अलीगढ़ और हाथरस में एक–एक व्यक्ति की मौत हो गई। उधर, झांसी में दिन में उमस भरी गर्मी के बाद शाम के वक्त आसमान में बादल छाए और कई स्थानों पर बूंदाबांदी तो कहीं कुछ मिनट के लिए बारिश हुई। इससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। झांसी में अधिकतम तापमान 44.7 डिग्री सेल्यिस दर्ज हुआ। लखनऊ में तापमान 42 डिग्री रहा।

इन जिलों के लिए यलो अलर्ट

बागपत, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अलीगढ़, हाथरस, एटा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, ललितपुर में लू के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिमी–तराई के नजीबाबाद, मुजफ्फरनगर जैसे कुछ जिलों में दिन में लू चलने के साथ रातें उमस भरी रहने की संभावना है।

माफिया सुधीर सिंह ने कोर्ट में किया आत्मसमर्पण

भेजा गया जेल, व्यापारी पर किया था जानलेवा हमला

गोरखपुर। माफिया सुधीर सिंह खजनी क्षेत्र में व्यापारी पर जानलेवा हमले के मामले में आरोपी है। 27 मई की रात माफिया सुधीर सिंह ने बेलीपार के भौवापार निवासी अंकुर शाही पर एक दावत के जानलेवा हमला दौरान किया था। माफिया सुधीर सिंह ने आर्म्स एक्ट मामले में लखनऊ न्यायालय में आत्मसमर्पण किया है। उसे जेल भेज दिया गया है। माफिया सुधीर सिंह खजनी क्षेत्र में व्यापारी पर जानलेवा हमले के मामले में आरोपी है। 27 मई की रात माफिया सुधीर सिंह ने बेलीपार के भौवापार निवासी अंकुर शाही पर एक दावत के जानलेवा हमला दौरान किया था। खजनी थाने में केस दर्ज पुलिस उसकी धरपकड़ में जुटी थी।

जानकारी के अनुसार, 27 मई की रात खजनी क्षेत्र में युवक पर जानलेवा हमले के बाद भागे फिर रहे सुधीर के न्यायालय में समर्पण करने की अटकलें तेज थी। पूर्व में वह कई बार चकमा देकर न्यायालय में समर्पण कर चुका है।

गोरखपुर जिले के खजनी थाना क्षेत्र में 27 मई की रात को दावत में माफिया सुधीर ने बेलीपार के रहने वाले अपने पूर्व सहयोगी अंकुर शाही पर रॉड से जानलेवा हमला कर दिया था। इस मामले में नामजद होने के बाद से वह फरार था। पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम गोरखपुर–बस्ती मंडल के अलावा लखनऊ में छापा मार रही है। हालांकि, अभी तक गिरफ्तारी में सफलता हासिल नहीं हुई थी। बता दें कि प्रदेश के 68 माफिया की सूची में शामिल सुधीर सिंह का नाम शामिल है। खजनी पुलिस ने चुनावी रंजिश में एक युवक को पीटने के आरोप में हत्या की कोशिश की धारा में केस दर्ज है।

सड़क हादसे में गई 4 की जान

सिद्धार्थनगर से मुंबई ईद मनाने के लिए निकले झांसी में सड़क हादसा, बिखर गया परिवार

सिद्धार्थनगर। जानकारी के अनुसार सदर थाना क्षेत्र के बर्डपुर नंबर चार के टोला घुरहू जोत निवासी अबैदुक रहमान (42) मुंबई के मोबरा में रहकर बिल्डिंग मैटरियल सप्लाई करने का करता था। उसके साथ पत्नी और बच्चे व पिता भी मुंबई में ही रहते थे। पड़ोसी सलमान के मुताबिक लंबे समय से परिवार वहीं रहता है। उनका इलाज चला रहा है। वहीं, हादसे की खबर मिलने के बाद गांव और परिवार में मातम छा गया है। कारण पूरा परिवार एक साथ। इसमें चालक बलरामपुर जनपद का निवासी था। जानकारी के अनुसार सदर थाना क्षेत्र के बर्डपुर नंबर चार के टोला घुरहू जोत निवासी अबैदुक रहमान (42) मुंबई के मोबरा में रहकर बिल्डिंग मैटरियल सप्लाई करने का करता था।उसके साथ पत्नी और बच्चे व पिता भी मुंबई में ही रहते थे। पड़ोसी सलमान के मुताबिक लंबे समय से परिवार वहीं रहता है। किसी कार्यक्रम के पड़ने पर वह परिवार के साथ गांव आता था। बकरीद पर्व मनाने के लिए कार से पूरा परिवार गांव आया था। जो त्योहार मनाने के बाद बुधवार दोपहर में एक ही कार से पूरा परिवार मुंबई के लिए निकला था। सुबह लगभग 11 बजे जानकारी मिली कि रात में झांसी के पूंछ थानांतर्गत गांव खिल्ली में डिवाइडर से टकराकर पलट गई। जानकारी मिलने के बाद गांव में मातम पसर गया। उनके बड़े भाई भी पूरे परिवार के साथ मुंबई में ही रहते हैं। जानकारी मिली कि हादसे में अबैदुक रहमान (42), उनकी पत्नी आशमा (40), बेटी उसना परवीन (12) और कार चालक बलरामपुर निवासी आमिर की मौत हो गई।

वहीं, अबैदुक रहमान के पिता शाहबुद्दीन (70), पुत्र अनीदुक रहमान (8), अब्दुल्ला बहादुर रहमान (10), ईश्म (6) घायल हो गए। किसी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। उनके भाई को भी पुलिस ने जानकारी दे दी है। वहीं, मौत की खबर सोशल मीडिया पर भी वायरल होने से अधिक लोगों को जानकारी हो गई। मौत की खबर मिलने के बाद से ही गांव के लोगों का घर पर आना– जाना शुरु हो गया। हालांकि घर पर परिवार का कोई सदस्य था नहीं, पड़ोसी से लोग जानकारी लेते हुए देखे गए।

घर में सुबह चाय पी...बाहर पेड़ से लटकर की खुदकुशी

गोरखपुर। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार की सुबह राजनाथ चाय पीने के बाद दरवाजे पर लगे आम के पेड़ चढ़ गए और मोटे प्लास्टिक की रस्सी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। परिजनों का ध्यान पेड़ की तरफ पहुंचा तो आनन फानन में शव को उतारा।

खोराबार इलाके में जंगल सिकरी निवासी राजनाथ यादव 56 वर्षीय शख्श ने घर के बाहर लगे पेड़ से लटकर आत्महत्या कर लिया। बताया जाता है कि घर में सुबह चाय पी और लोगों से बातचीत करने के बाद बाहर निकल गए। इधर, काफी देर तक नहीं आने पर और सीसीटीवी कैमरे में देखने पर पेड़ से लटकने की जानकारी हुई।

तत्काल परिजन घर से बाहर दौड़कर पेड़ के सामने पहुंचे और शव को नीचे उतारा। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार की सुबह राजनाथ चाय पीने के बाद दरवाजे पर लगे आम के पेड़ चढ़ गए और मोटे प्लास्टिक की रस्सी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। परिजनों का ध्यान पेड़ की तरफ पहुंचा तो आनन फानन में शव को उतारा।

उसके बाद खोराबार पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद थाना प्रभारी खोराबार इत्यानन्द पांडेय टीम के साथ पहुंचकर जांच पड़ताल की। उसके बाद फोरेंसिक टीम पहुंचकर जांच पड़ताल की। मृतक दो भाईयों में बड़ा थे। राजेन्द्र छोटे हैं। मृतक के दो बेटे एवं तीन बेटियां हैं। मृतक का बड़ा बेटा संजय गोरखपुर पीएसी में तैनात हैं। विपिन यादव छात्र है। सभी लोगों की शादी हो चुकी है। पुलिस के मुताबिक मृतक के पास से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है।

गार्डेन में लगी आग: अचानक आग की लपटें देख सहमें लोग, लगभग दुकानें जलकर राख

गोरखपुर। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक नगर अभिनव त्यागी तत्काल मौके पर पहुंचे। उनके साथ ही थाना प्रभारी रामगढ़ ताल सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गई। पुलिस की टीम बाहर ट्रैफिक के नियंत्रित करते हुए स्थिति सामान्य बनाए रखी।

गोरखपुर के तारामंडल स्थित जेएसआर गार्डेन में बृहस्पतिवार को अचानक से आग लग गई। आग लगने से वहां अफरा तफरी मच गई। धीरे–धीरे आग की लपटें फैलने लगी। इसी बीच फायर की गाड़ी मौके पर पहुंच कर आग पर काबू करने का प्रयास किया।आग लगने का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अचानक धुएं के गुबार और लपटों ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास तेज़ी से शुरू कर दिए गए।

दमकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, क्योंकि परिसर में लकड़ी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और इंटीरियर का सामान बड़ी मात्रा में मौजूद था, जिससे आग तेजी से फैलती चली गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक नगर अभिनव त्यागी तत्काल मौके पर पहुंचे। उनके साथ ही थाना प्रभारी रामगढ़ ताल सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गई। पुलिस की टीम बाहर ट्रैफिक के नियंत्रित करते हुए स्थिति सामान्य बनाए रखी। किया गया। मौके पर पहुंचकर अधिकारियों ने परिसर को खाली कराया और आसपास की दुकानों व होटलों को भी सतर्क किया। घटना की जानकारी मिलते ही गोरखपुर सांसद रवि किशन शुक्ला घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। सांसद ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। गनीमत रही कि समय रहते दमकल और पुलिस टीम सक्रिय हो गई। हम पूरे मामले की जांच कराएंगे कि आग किन कारणों से लगी और क्या लापरवाही हुई है। जन–धन की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। घटना से आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल है। प्रशासन ने स्थानीय नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और धैर्य बनाए रखने की अपील की है। इस पूरी घटना के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

आग लगने के बाद मौके पर पहुंचे एसपी सिटी और सांसद रवि किशन..दुकान से निकलीं लपटें

पांच नये मरीजों में कोरोना की पुष्टि

सांस लेने में तकलीफ बढ़ने पर केजीएमयू के प्रोफेसर की कोरोना की करायी गयी थी जांच, रिपोर्ट आयी पॉजिटिव

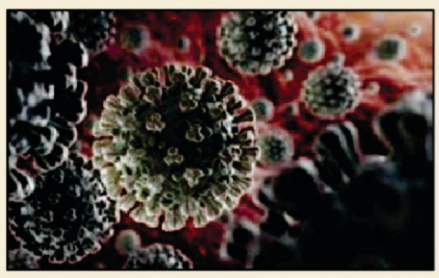

कुल 28 कोरोना पॉजिटिव, 20 सक्रीय

लखनऊ [redacted] राजधानी में कोरोना मरीजों की संख्या लगातार वढ़ती जा रही है। शुक्रवार को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के एक प्रोफेसर की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है। उन्हें दूसरी समस्याओं के कारण भर्ती कराया गया था। सांस लेने में तकलीफ वढ़ने पर कोरोना जांच कराई गई थी। इसके अलावा अलग-अलग इलाकों के पांच लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है। लखनऊ में अव तक कुल 28 कोविड पॉजिटिव पाए गए है। मौजूदा समय में 20 सक्रीय मरीज है, जवकि आठ मरीज ठीक हो चुके है। केजीएमयू में एक विभागाध्यक्ष को 10 जून को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था। सांस लेने में तकलीफ होने पर उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। शक के आधार पर डॉक्टरों ने नमूना लेकर कोरोना जांच कराई, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। डाक्टरों की टीम प्रोफेसर के स्वास्थ्य पर नजर वनाए है। वहीं पीजीआई कल्ली पश्चिम की 25 वर्षीय महिला, मलिहावाद की रहने वाली सात वर्षी वच्ची, कल्ली पूर्वी के 52 वर्षीय पुरु ष व इंदिरानगर का 25 वर्षीय पुरुष मेंकोरोना वायरस मिले है, इनमें से चार मरीज होम आइसोलेशन में है। किसी की ट्रैवेल हिस्ट्री नहीं पायी गयी है।

कोरोना को लेकर केजीएमयू, लोहिया व पीजीआई में तैयारी पूरी

लखनऊ [redacted] कोरोना संक्रमित मरीजों की धीरे- धीरे वढ़ती संख्या को देखते हुए किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लोहिया संस्थान व पीजीआई इलाज के लिए तैयारी कर ली है। सभी चिकित्सा संस्थानों में कोराना के गंभीर मरीज के लिए आईसीयू यूनिट वना दी गयी है, ताकि कोरोना संक्रमित मरीज किसी भी स्थिति में पहुंचे, उसका तत्काल इलाज शुरू किया जा सके। केजीएमयू में कोरोना संक्रमण के दो मरीजों का इलाज चल रहा है। यह मरीज गैर जनपद से रेफर होकर यहां पर पहुंचे है।

केजीएमयू में गैर जनपद के दो कोरोना के मरीज भर्ती

कोरोना के मरीज धीरे- धीरे वढ़ रहे है। ऐसे में कोरोना के गंभीर मरीजों को राजधानी के लोहिया संस्थान, पीजीआई या केजीएमयू रेफर कर दिया जाता है। ऐसे में मरीजों की स्थिति के अनुसार तत्काल आई सी यू यूनिट की आवश्यकता होती है। इसलिए उनके लिए अलग यूनिट तैयार कर दी गयी है। केजीएमयू में कोरोना के मरीजों के लिए संक्रामक विभाग में अलग विस्तर आरक्षित कर दिये गये है। केजीएमयू प्रवक्ता डा. सुधीर ने वताया कि गैर जनपद से रेफर होकर आये दो कोरोना के मरीज भर्ती चल रहे है। इन दोनों को कोरोना संक्रमण के अलावा अन्य वीमारी भी है। इनका इलाज विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम कर रही है। उन्होंने वताया कि गंभीर मरीजों के लिए आईसीयू यूनिट भी तैयार है। इसके अलावा लोहिया संस्थान में भी कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए अलग वार्ड वना कर विस्तर आरक्षित कर दिये गये है। गंभीर मरीजों के भी वेंटिलेटर यूनिट भी तैयार है। उधर पीजीआई में कोराना संक्रमित के गंभीर मरीजों के इलाज के लिए ओल्ड ओ पी डी में आईसीयू यूनिट में दस विस्तर आरक्षित कर दिये गये है। इसके अलावा कोरोना मरीजों के सामान्य विस्तर भी आरक्षित कर दिये गये है। यहां पर कोरोना के एक दो मरीज भर्ती किये गये थे, जो संक्रमण मुक्त होकर जा चुके है।

युवा वर्ग में बढ़ रहे रक्तदाता : डा. तूलिका

महिला रक्तदाता कम, जागरूकता बढ़ानी आवश्यक

बीमारियों की अपेक्षा अभी रक्तदाता कम

लखनऊ [redacted] रक्तदान के लिए रक्तदाताओं में जागरुकता वढ़ रही है। रक्तदाता में युवा वर्ग जागरूक हो कर रक्तदान करने लगा है, लेकिन वीमारियों भी लगभग सभी वर्गो में वढ़ रही है। ऐसे में रक्तदाताओं की कमी वनी ही रहती है। चौदह जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। इस दिन लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक किया जाता है।

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के व्लड ट्रांसफ्यूजन विभाग की प्रमुख डा. तूलिका चंद्रा ने वताया कि पिछले वर्षो के आंकड़ों का देखा जाए तो रक्त दाता वढ़ रहे है। युवा वर्ग जागरूक होकर रक्तदाता वनता जा रहा है। उन्होंने वताया कि स्कूल कालेज, वैकों व अन्य रक्त दान शिविर में व्लड डोनेशन के लिए लोग आ रहे है। काफी संख्या में संस्थाएं भी व्लड डोनेशन शिविर लगाती है, जिसमें रक्तदाताओं में युवा वर्ग की संख्या ज्यादा रहती है। उन्होंने वताया कि फिर भी व्लड यूनिट की कमी वनी रहती है। खास कर निगेटिव व्लड यूनिट की कमी ज्यादातर वनी रहती है। उन्होंने वताया कि पिछले वर्षो में वीमारियों वढ़ रही है, इस कारण व्लड यूनिट की मांग भी ज्यादा वढ़ती जा रही है। डा. तूलिका चंद्रा ने वताया कि लगभग अस्सी हजार व्लड यूनिट वार्षिक व्लड कलेक्शन रहता है, फिर भी व्लड यूनिट की कमी वनी ही रहती है। उन्होंने वताया कि देखा गया है कि महिला रक्तदाता कम है, यह लोग व्लड डोनेशन में पीछे रहती है। जव कि देखा जाए तो महिलाओं में सवसे ज्यादा व्लड यूनिट की मांग रहती है। गर्भावस्था व एनीमिया आदि में व्लड की मांग ज्यादा होती है। महिलाओं को व्लड डोनेशन के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता है। उन्होंने वताया कि रक्तदाओं को धन्यवाद किया जाना चाहिए और सभी जागरूक किया जाना चाहिए ताकि रक्तदाताओं की संख्या वढ़ सके। इससे समय पर जरूरतमंद मरीजों को व्लड यूनिट मिल सके।

बीजे मेडिकल कालेज के डाक्टर व मेडिकोज की मौत पर दुख प्रकट किया

विमान हादसा

लखनऊ [redacted] वृहस्पतिवार को अहमदावाद में एयर इंडिया के विमान हादसे में वी जे मेडिकल कालेज के चार मेडिकोज व एक डाक्टर की दुखद मौत हो गयी थी। शुक्रवार को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के रेजीडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन ने वी जे मेडिकल कालेज व विमान हादसे में मृत लोगों के प्रति दुख प्रकट करते हुए शोक सभा का आयोजन किया। व्राऊन हाल में आयोजित शोक सभा में केजीएमयू कुलपति सहित वरिष्ठ डाक्टर्स व रेजीडेंट डाक्टर्स दो मिनट का मौन रख कर मृत लोगों की आत्मा की शांति की प्रार्थना की। केजीएमयू के रेजीडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन अहमदावाद में एयर इंडिया के विमान के वी जे मेडिकल कालेज के ऊपर क्रेश होने से चार अंडर ग्रेजुएट मेडिकोज एक पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकोज की दुखद मौत हो गयी थी। इसके अलावा पचास अन्य मेडिकोज गंभीर रूप से घायल हुए है।

तीन मरीजों की रोबोटिक तकनीक से घुटना प्रत्यारोपण सफल

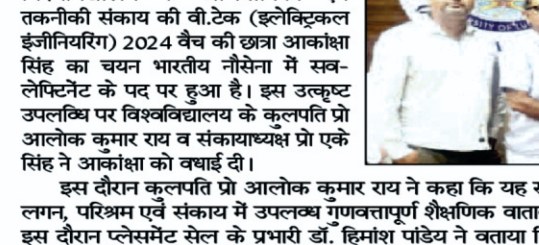

केजीएमयू का आर्थोपैडिक विभाग

लखनऊ [redacted] किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में पहली वार रोवोटिक तकनीक से तीन मरीजों का सफल घुटना प्रत्यारोपण किया गया। इसमें खास वात यह रही कि ये सभी सर्जरी आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क की गयी।

आर्थोपेडिक विभाग के विभाग प्रमुख डॉ. आशीष कुमार नेतृत्व में तीनों मरीजों की रोवोटिक सर्जरी की गयी। डा. आशीष कुमार ने वताया कि सर्जरी होने वाले सभी मरीज ओस्टियोआर्थराइटिस से ग्रसित थे। उन्होंने वताया कि इनमें 65 वर्षीय राम जतन के दोनों घुटनों में ऑस्टियोआर्थराइटिस था, जिसमें वायें घुटने में दिक्कत अधिक थी। जिस कारण वायें घुटने का सर्जरी की गयी। डॉ आशीष ने वताया कि मरीज के दाएं घुटने की सर्जरी 6 माह वाद की जा सकती है। इसके अलावा दूसरा मरीज 75 वर्षीय राम सजीवन के दाएँ घुटने की सर्जरी की गई। इनकी भी दूसरे घुटने की सर्जरी कुछ समय वाद की जाएगी। वही तीसरे मरीज 61 वर्षीय गोरख सिंह के एक घुटने की सर्जरी पहले की जा चुकी है दूसरे घुटने की सर्जरी रोवोटिक तकनीक से की गयी। डॉ आशीष का कहना है कि वैसे तो दोनों घुटनों की सर्जरी एक साथ हो सकती है, लेकिन मरीज को कोई असुविधा न हो इसलिए एक घुटने की सर्जरी करने के वाद दूसरे घुटने की सर्जरी कुछ समय वाद की जाती है। उन्होंने वताया रोवोट से सर्जरी करने में करीव डेढ़ घंटे का समय लगता है, इतना ही समय सामान्य तरीके से सर्जरी करने पर भी लगता है। रोवोटिक सर्जरी की खासियत इतनी होती है कि इसमें परफेक्शन ज्यादा होता है ,जिससे मरीज को कॉम्प्लिकेशन कम होते है और वह सर्जरी के वाद जल्दी स्वस्थ महसूस करता है और दैनिक दिनचर्या का कार्य करने लगता है।

सर्जरी करने वाली टीम : डॉ आशीष कुमार के साथ सर्जरी में डॉ. कुमार शांतनु, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. अर्पित और डॉ. रविंद्र, तथा एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. नील कमल और उनकी टीम, ऑपरेशन थिएटर स्टाफ व रोवोटिक तकनीक उपलब्ध कराने वाली कंपनी के इंजीनियरों की टीम भी मौजूद रही।

कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने सर्जरी टीम को वधाई देते हुए कहा कि रोवोटिक तकनीक के जरिए अव सर्जरी अधिक सटीक, सुरक्षित एवं कम रिकवरी समय में पूरी हो रही है। केजीएमयू के डाक्टर्स की कोशिश है कि यह सुविधा हर ज़रूरतमंद तक पहुंचे।

DRI अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर पकड़ी 15.46 करोड़ की ड्रग

बैंकाक से आए दो यात्रियों के पास से 15.46 किलो हाइड्रोपोनिक भांग बरामद

सरोजनीनगर-लखनऊ [redacted] चौधरी चरण सिंह अन्तराश्ट्रीय एयरपोर्ट पर वीते मंगलवार को राजस्व खुफिया निदेशालय के अधिकारियों ने दो हवाई यात्रियों के कव्जे से 15.46 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक भांग वरामद करने का दावा किया है। एयरपोर्ट पर पकड़ी इस ड्रग की कीमत अन्तराश्ट्रीय वाजार में 15.46 करोड रूपये वताई जा रही है। इन दोनों हवाई यात्रियों के पास इस ड्रग को जव्त करते हुए उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

एयरपोर्ट सूत्रों के मुताविक चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर तैनात डीआरआई अधिकारियों को वैकाक से भारी मात्रा में ड्रग्स आने की खुफिया जानकारी मिली। जिसपर यह अधिकारियों एयरपोर्ट पर सक्रिय हो गये। वीते मंगलवार को वैकाक से एयर इंडिया एक्प्रेस की उड़ान (आईएक्स-104) चौधरी चरण सिंह अन्तराश्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंची तो इन अधिकारियों ने आशंका के आधार पर दो यात्रियों को पूछताछ के लिए रोक लिया। सूत्रों का कहना है कि जव इन यात्रियों ने कोई जानकारी नही दी तो उसने लगेज की जांच-पड़ताल की गई। वताया जाता है कि जांच के दौरान राजस्व खुफिया निदेशायल के अधिकारियों उनके उनके चेक-इन वैगेज से एल्यूमिनियम फॉयल में लिपटे कई वैक्यूम सीलवंद पैकेट मिले। अधिकारियों के मुताविक उनके पास से मिले पैकेट में हरे रंग का गांठदार पदार्थ, जिसके भांग होने की आशंका हुई। जांच के वाद उन्हें पता चला कि इन यात्रियों का मिली सामग्री हाइड्रोपोनिक भांग है। यात्रियों के कव्जे से मिली 15.46 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक भांग की कीमत अंतरराष्ट्रीय वाजार में 15.46 करोड़ रुपये है। वताया जाता है कि हाइड्रोपोनिक भांग एक उच्च श्रेणी की भांग की किस्म है जिसे नियंत्रित इनडोर वातावरण में पोषक तत्वों से भरपूर पानी के घोल का उपयोग करके मिट्टी के विना उगाया जाता है। यह अपनी उच्च क्षमता के लिए जाना जाता है और अवैध दवा वाजारों में इसकी उच्च मांग है। अधिकारियों ने पकड़े गये इन दोनों यात्रियो के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया।

योग दिवस : लविवि में 51 हजार प्रतिभागियों की संख्या निर्धारित

कुलपति ने प्रशासनिक भवन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी को लेकर पुनः समीक्षा बैठक की

लखनऊ [redacted] राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति लविवि श्रीमती आनंदी वेन पटेल के निर्देशानुसार कुलपति लविवि प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने शुक्रवार को प्रशासनिक भवन के मंथन कक्ष में 21 जून 2025 को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी को लेकर पुनः समीक्षा वैठक की।

इस वैठक में कुलपति ने कहा कि राजभवन से लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए योग दिवस पर 51000 प्रतिभागियों की संख्या निर्धारित की गई है। कुलपति ने कहा कि इसमें एनसीसी, एनएसएस के स्वयंसेवक, शोध छात्र, हॉस्टल में रहने वाले छात्र एवं विभिन्न स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर पढ़ने वाले छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। कुलपति ने कहा कि योग दिवस के कार्यक्रम को रिकॉर्ड करके जियो टैग युक्त पांच फोटो और 30 सेकंड का वीडियो लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा जारी किए गए लिंक पर अपलोड किए जाएंगे। आने वाले दिनों में लखनऊ विश्वविद्यालय से संवद्ध पांच जिलों के कुछ महाविद्यालयों में लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति, कुलसचिव, डीन सीडीसी, डीन एकेडमिक्स अलग अलग वहां जाकर 21 जून को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के तैयारी की समीक्षा भी करेंगे।

इसी क्रम में कुलपति ने वताया कि 17, 18 और 19 जून को लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में स्थित योग संकाय में एक ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षक आकर विभिन्न योगासनों की जानकारी कर सकते है और अपने-अपने महाविद्यालय में 21 जून को योग दिवस के अवसर पर सूर्य नमस्कार और योग के विभिन्न आसनों का संचालन करेंगे। कुलपति ने वैठक में सभी को प्रेरित किया कि इस विश्व रिकॉर्ड को पूर्ण करने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को निर्धारित 51000 की संख्या से कही अधिक हम लोगों की भागीदारी रहेगी। वैठक के वाद गुजरात के अहमदावाद में हुए वायुयान हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई।

नौसेना में सब-लेफ्टिनेंट पद पर आकांक्षा चयनित

कुलपति व संकायाध्यक्ष ने दी बधाई

लखनऊ [redacted] लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय की वी.टेक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) 2024 वैच की छात्रा आकांक्षा सिंह का चयन भारतीय नौसेना में सव-लेफ्टिनेंट के पद पर हुआ है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय व संकायाध्यक्ष प्रो एके सिंह ने आकांक्षा को वधाई दी।

इस दौरान कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा कि यह सफलता आकांक्षा की लगन, परिश्रम एवं संकाय में उपलब्ध गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण का प्रतिफल है। इस दौरान प्लेसमेंट सेल के प्रभारी डॉ. हिमांशु पांडेय ने वताया कि आकांक्षा सिंह का भारतीय नौसेना में सव-लेफ्टिनेंट के पद पर चयन शॉर्ट सर्विस कमीशन के अंतर्गत हुआ है, जिसके तहत वह इलेक्ट्रिकल ऑफिसर के रूप में अपनी सेवाएं देंगी। उन्हें लगभग 13 लाख वार्षिक पैकेज पर नियुक्ति मिली है।

सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करें छात्र : योगी

लखनऊ [redacted] मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वृहस्पतिवार को विद्यार्थियों से सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने का आग्रह करते हुए कहा कि ऐसी संपत्ति सामूहिक प्रयास का परिणाम है और किसी भी परिस्थिति में इसे नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए। लोकभवन में आयोजित समारोह में मेधावी छात्रों को सम्मानित करने और स्कूल खेल पुरस्कार वितरित करने के लिए एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक संपत्ति निजी संपत्ति नहीं है - यह पूरे समाज के योगदान से बनी है। अगर कोई इसे नुकसान पहुंचाता है तो वह देश को नुकसान पहुंचा रहा है। इस तरह के कृत्यों को रोका जाना चाहिए, सूचना दी जानी चाहिए और उजागर किया जाना चाहिए। योगी ने विद्यार्थियों से सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों की रिकॉर्डिंग करने और सूचना देकर कार्रवाई करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आप सभी के पास मोबाइल फोन हैं। अगर आप किसी को सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाते देखें तो उसका वीडियो बनाएं और उसे वायरल करें। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि पोस्टर के जरिए उस व्यक्ति की पहचान की जाए और उससे वसूली की जाए।

■ सीएम ने टैबलेट व खिलाड़ी छात्र-छात्राओं को बांटे पुरस्कार

उन्होंने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की नकल-मुक्त परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए प्रशंसा की और 2017 से राज्य की शिक्षा प्रणाली में बड़े सुधारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पहले, शिक्षा के नाम पर सामूहिक नकल एक धंधा बन गया था। लोग परीक्षा फॉर्म भरते थे और परीक्षा देने के लिए किसी और को नियुक्त करते थे। परिणाम प्रमाणपत्र के साथ घर भेजे जाते थे। यह पूरी तरह से धोखाधड़ी थी। सरकारी रोजगार में राज्य की प्रगति की भी सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पारदर्शी भर्ती के माध्यम से आठ लाख से अधिक युवाओं को नौकरी दी गई है। सीएम ने कहा कि हम अब बीमारू राज्य नहीं रहे। उत्तर प्रदेश नए भारत के नए चेहरे में तब्दील हो गया है। समारोह में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, विधायक अम्बरीश कुमार, मुकेश शर्मा, उमेश द्विवेदी, अविनाश सिंह, रामचन्द्र सिंह प्रधान तथा मानवेन्द्र प्रताप सिंह (गुरुजी), मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, एसीएस माध्यमिक शिक्षा दीपक कुमार, महानिदेशक स्कूली शिक्षा श्रीमती कंचन वर्मा, शिक्षक, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित थे।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में हुए 'क्रांतिकारी परिवर्तन : मुख्यमंत्री

लखनऊ [redacted] मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले एक दशक के दौरान भारत में हुए 'क्रांतिकारी परिवर्तन' की वृहस्पतिवार को सराहना करते हुए इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को दिया। मुख्यमंत्री ने एक निजी कार्यक्रम में मेधावी छात्रों के सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में एक 'नया भारत' उभर रहा है जो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विजन की विशेषता रखता है। मुख्यमंत्री ने प्रौद्योगिकी को तरक्की की बुनियाद व जनसेवा को शासन का साधन करार देते हुए कहा, 'सरकार का मतलब मालिक नहीं है। सरकार का मतलब राजा नहीं है। सरकार का मतलब वह है जो आम आदमी के लिए भागीदार बन सके।' उन्होंने कहा कि सरकार को आम लोगों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए और जनसेवा को अपने जीवन का संकल्प बनाना चाहिए। उन्होंने अपने पिछले आठ वर्षों के कार्यकाल में राज्य में 'नकल-मुक्त' परीक्षा आयोजित कराने की अपनी सरकार की रणनीति पर प्रकाश डाला और कहा कि इसके सकारात्मक परिणाम अब बिल्कुल जाहिर हो गये हैं। आज उत्तर प्रदेश के युवा और अन्य नागरिक चाहे वे देश में हों या दुनिया में कहीं भी जाएं, उनसे कोई उनकी योग्यता को लेकर सवाल नहीं करेगा।

15 को लखनऊ आएंगे गृह मंत्री अमित शाह : सीएम

लखनऊ (एसएनबी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वृहस्पतिवार को घोषणा की कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 15 जून को पुलिस नियुक्ति समारोह में भाग लेने के लिए लखनऊ आएंगे। मेधावी छात्रों को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में आदित्यनाथ ने कहा कि शाह इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे जिसमें 60,244 पुलिसकर्मियों को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नए नियुक्त किए गए पुलिसकर्मियों में से 12,000 से अधिक महिलाओं को एक ही बैच में पुलिस बल में भर्ती किया गया है- जो 1947 से 2017 के बीच केवल 10,000 की भर्ती की तुलना में एक रिकॉर्ड है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि का श्रेय सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और पारदर्शी भर्ती के प्रति प्रतिबद्धता को दिया और कहा कि उत्तर प्रदेश अब शासन तथा रोजगार के मामले में मिसाल कायम कर रहा है।

सीएम ने मेधावियों के लिए खोला खजाना

लखनऊ [redacted] मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेधावियों के लिए खजाना खोल दिया। सीएम योगी ने यहां समारोह में प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को ₹1 लाख नकद, टैबलेट, मेडल तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। जिले के टॉपर को ₹21 हजार, टैबलेट, प्रशस्ति पत्र तथा मेडल प्रदान किये गये।

इसी तरह खेलों में हुनर दिखाने वाले होनहार छात्र-छात्राओं पर सरकार ने अपना खूब प्यार उड़ेला। उत्तर प्रदेश के 363 खिलाड़ी छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर 179 पदक प्राप्त किए। इनमें 51 स्वर्ण, 46 रजत तथा 82 कांस्य पदक शामिल है। 87 खिलाड़ियों ने एकल व टीम गेम्स में प्रतिभाग किया और 51 स्वर्ण पदक प्रदेश को दिलाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जिन खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त किया है। उनमें स्वर्ण पदक विजेताओं को ₹75 हजार, रजत पदक पर ₹50 हजार तथा कांस्य पदक प्राप्त करने पर ₹30 हजार प्रदेश सरकार की ओर से प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान किये जा रहे है। टीम गेम्स में स्वर्ण पदक पर 35 हजार, रजत पदक पर 25 हजार तथा कांस्य पदक पर 15 हजार की धनराशि प्रोत्साहन स्वरूप दी जा रही है।

■ प्रदेश के 363 खिलाड़ी छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर 179 पदक प्राप्त किए। इनमें 51 स्वर्ण, 46 रजत व 82 कांस्य पदक शामिल हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यहां उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद और संस्कृत शिक्षा निदेशालय के नए भवन की आधारशिला भी रखी गई है। अभी तक संस्कृत शिक्षा परिषद के गठन के 24 साल बाद भी अपना भवन नही था। इस भवन के निर्माण पर ₹42 करोड़ 42 लाख 20 हजार व्यय होंगे। इसके साथ ही, लखनऊ में जगत नारायण रोड पर राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज की नयी बिल्डिंग बनेगी। इसके लिए ₹48 करोड़ 92 लाख 80 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसका शिलान्यास आज यहां हुआ है। राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज, मलिहाबाद के नए भवन के लिए ₹10 करोड़ 36 लाख उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृत को प्रोत्साहित किए जाने की आवश्यकता है। श्री काशीराज राजकीय संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चकिया चन्दौली में 100 बेड के छात्रावास तथा नवीन भवन के निर्माण को 10 करोड़ 31 लाख रुपये तथा काशीराज राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, ज्ञानपुर, भदोही में 100 बेड के छात्रावास व नवीन भवन के लिए ₹9 करोड़ 65 लाख 60 हजार की धनराशि स्वीकृत की गई है। इन कार्यो का भी यहां शिलान्यास किया गया है। यह संस्कृत भाषा के उन्नयन तथा उत्थान के लिए राज्य सरकार द्वारा अपनी ऋषि संस्कृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का एक प्रयास है। राज्य सरकार ने पूर्व में ही, संस्कृत का अध्ययन करने वाले कक्षा-6 से लेकर आचार्य व पीएचडी की शिक्षा प्राप्त करने वाले प्रत्येक छात्र-छात्रा के लिए स्कॉलरशिप की अनिवार्य व्यवस्था की है। प्रदेश के संस्कृत विद्यालयों के जर्जर भवनों के लिए भी सरकार ने व्यवस्था की है। इसके तहत निजी प्रबन्धन 5 प्रतिशत धनराशि देते है और 95 प्रतिशत धनराशि सरकार देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा विभाग तथा टाटा नेल्को व जापानी कम्पनी यास्कावा के साथ एक एमओयू किया गया है, जिसके अन्तर्गत पहले चरण में माध्यमिक शिक्षा से जुड़े सरकारी कॉलेजों को लिया गया है। ड्रीम लैब (डिजाइन रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग) की स्थापना का यह कार्यक्रम लगभग ₹162 करोड़ 72 लाख रुपये की लागत से संचालित किया जाएगा, जिसमें समग्र शिक्षा द्वारा 77 करोड़ रुपये की धनराशि वहन की जाएगी। ड्रीम योजना हब एण्ड स्पोक मॉडल पर आधारित होगी। यह एक अभिनव प्रयोग है। द्वितीय चरण में ड्रीम कार्यक्रम को स्ववित्तपोषित संस्थानों में भी लागू किया जाएगा। ड्रीम कार्यक्रम प्रदेश के लगभग 1 करोड़ 20 लाख हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट के छात्रों के तकनीकी उन्नयन की दृष्टि से अत्यन्त लाभदायक होगा।

भव्य राम मंदिर निर्माण बाबू कल्याण सिंह की देन : केशव

रुदौली-अयोध्या [redacted] डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि 500 वर्षो का कलंक मिटाने के लिए बाबू कल्याण सिंह ने अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी की आहुति दे दी थी। भव्य मंदिर निर्माण उन्हीं की देन है। आज जब उनकी प्रतिमा का अनावरण हो रहा है तो यहां उमड़ी भीड़ इसका प्रमाण है कि लोग उन्हें आज भी श्रद्धा से याद करते हैं। डिप्टी सीएम श्री मौर्य रुदौली क्षेत्र के ग्राम भौली स्थित पौशला चौराहे पर पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की प्रतिमा अनावरण समारोह में बोल रहे थे। श्री मौर्य के साथ कल्याण सिंह के बेटे राजवीर सिंह भी मौजूद थे।

■ डिप्टी सीएम ने रुदौली में भूतपूर्व सीएम की प्रतिमा का किया अनावरण

■ कहा 500 वर्षो का कलंक मिटाने को बाबूजी ने दी थी कुर्सी की आहुति

■ अहमदाबाद में प्लेन क्रैश हादसे से अन्य कार्यक्रम किये स्थगित

श्री मौर्य का रुदौली क्षेत्र में भूतपूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की प्रतिमा के अनावरण समेत कई परियोजनाओं के लोकार्पण-शिलान्यास व जनचौपाल के कार्यक्रम थे। लेकिन, अहमदाबाद में प्लेन क्रैश की दुखद घटना हो जाने के बाद उन्होंने गमगीन माहौल में अपने कार्यक्रम को प्रतिमा अनावरण तक ही सीमित रखते हुए अन्य कार्यक्रमों को यह कहते हुए स्थगित कर दिया। उन्होंने कहा कि लंबित कार्यों को जनता को समर्पित करने के लिये रुदौली फिर आऊंगा। हादसे में जान गंवाने वालों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि श्रीरामलला उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

उन्होंने कहा कि बाबू कल्याण सिंह का पूरा जीवन भारतीय संस्कृति, धर्म और गरीबों के कल्याण को समर्पित रहा। उन्होंने न केवल राम मंदिर निर्माण की नीव रखी, बल्कि किसानों, विशेषकर गन्ना किसानों को उनका हक दिलाने के लिये कई ऐतिहासिक कदम उठाये। उनकी स्मृति में स्थापित यह मूर्ति भावी पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी। डिप्टी सीएम ने मोदी और योगी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। 2047 तक विकसित भारत का सपना अब दूर नही। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की चर्चा की। कार्यक्रम में अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि स्वरूप दो मिनट का मौन रखा गया। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक क्षेत्रीय विधायक रामचंद्र यादव, पूर्व सांसद विनय कटियार, पूर्व विधायक इंद्रप्रताप तिवारी खब्बू, महापौर गिरीशपति त्रिपाठी, ज़िलाध्यक्ष संजीव सिंह, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष आशीष शर्मा, हिमांशु गर्ग, नवनीत रस्तोगी, आशीष वैश्य समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

पीएम मोदी दिव्य आत्मा : साय

अयोध्या [redacted] छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु साय की धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय वृहस्पतिवार को रामनगरी पहुंचीं। सरयू महोत्सव में शामिल होने के बाद उन्होंने श्रीरामलला, रामदरबार और श्रीहनुमानगढ़ी का दर्शन-पूजन किया। सर्किट हाउस में मीडिया से मुखातिब श्रीमती साय ने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी की जमकर सराहना की। उन्होंने पीएम मोदी को दिव्य आत्मा बताया। श्रीरामलला का दर्शनकर भावविभोर श्रीमती साय ने कहा कि कहा कि श्रीराम मंदिर में रामदरबार सज गया है, अब मथुरा सजने वाला है।

■ छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु साय की पत्नी कौशल्या ने किया अयोध्या दर्शन

■ कहा राम दरबार सज गया, अब मथुरा सजने वाला

■ पीएम मोदी व सीएम योगी को जमकर सराहा

उन्होंने आगे जोड़ा कि बैजनाथ सज गया, बद्रीनाथ सज गया, केदारनाथ सज गया। उन्होंने बताया कि काशी विश्वनाथ का दर्शन करके आई हूं। वह बहुत ही दिव्य है, भव्य है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है। श्रीराम मंदिर निर्माण कार्य के लिये भगवान राम को मोदी जैसे भक्त का ही इंतजार था। मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर कौशल्या देवी ने कहा कि मोदी के क्या कहने, वह तो दिव्य हैं, दिव्य आत्मा है।

आग से घटनास्थल का पारा हुआ 1000 डिग्री सेल्सियस

जानवर-पक्षी जो जद में आए सब खाक

हादसे के वक्त विमान में था 1,26,907 लीटर ईंधन

अहमदाबाद। विस्फोट के बाद दुर्घटनाग्रस्त विमान के आसपास तापमान 1000 डिग्री सेल्सियस पहुंच जाने के कारण बचाव कार्य में काफी मुश्किलें आईं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार देर रात बताया कि घटनास्थल पर ताप इतना बढ़ गया कि यहां तक कि जानवरों और पक्षियों तक को भागने का मौका नहीं मिला और सभी जलकर खाक हो गए।

अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के विमान हादसे के बाद विचलित करने वाला मंजर सामने आया है। अहमदाबाद के मेघाणीनगर में हुए इस हादसे में अब तक 265 लोगों के शव अहमदाबाद सिविल अस्पताल ले जाए जा चुके हैं। वहीं, विमानन कंपनी एयर इंडिया ने भी पुष्टि की है कि हादसे का शिकार हुए विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो चुकी है।

वहीं, जीवित बचे एक मात्र शख्स का इलाज चल रहा है। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि सड़कों पर शव बिखरे पड़े थे। ज्यादातर शव बुरी तरह से झुलस गए। उनकी पहचान भी नहीं हो पा रही है। वहीं, हादसे के बाद से लगातार राहत और बचाव कार्य चल रहा है। इस बीच सामने आया है कि हादसे के कारण घटनास्थल का तापमान इतना ज्यादा बढ गया कि बचाव कार्य बेहद कठिनता से हो पा रहा है।

जानवर-पक्षी जो जद में आए सब जल गए

विस्फोट के बाद दुर्घटनाग्रस्त विमान के आसपास तापमान 1000 डिग्री सेल्सियस पहुंच जाने के कारण बचाव कार्य में काफी मुश्किलें आईं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार देर रात बताया कि घटनास्थल पर ताप इतना बढ़ गया कि यहां तक कि जानवरों और पक्षियों तक को भागने का मौका नहीं मिला और सभी जलकर खाक हो गए।

आठ सालों में नहीं देखी ऐसी आपदा

राज्य आपदा मोचन बल के एक सदस्य ने कहा कि वह करीब आठ साल से आपदा की स्थिति को देख रहे हैं, लेकिन ऐसी आपदा कभी नहीं देखी। उन्होंने कहा, हम यहां पीपीई किट के साथ पहुंचे, लेकिन तापमान इतना ज्यादा था कि बचाव कार्य मुश्किल हो गया।

ऐसे हुआ हादसा

गुजरात के अहमदाबाद से लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान उडान भरते ही भयावह हादसे में कैश हो गया और डॉक्टरों के छोत्रावास व नर्सिंग स्टाफ के आवासीय परिसर से टकरा गया। हादसे में कुल 266 लोगों की मौत हो गई। विमान में चालक देख समेत कुल 242 लोग सवार थे, जिनमें से 241 लोगों की मौत हो गई। विमान से कूद जाने के कारण सिर्फ एक यात्री जिंदा बचा है। विमान में सवार गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी मौत हो गई। 1996 के बाद देश में यह दूसरा बडा विमान हादसा है। हादसे की जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो करेगा।

एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-171 बृहस्पतिवार को अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रही थी। विमान ने अहमदाबाद के रनवे-23 से 13:39 बजे उड़ान भरी थी। विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, एक कनाडाई और सात पुर्तगाली नागरिक सवार थे। विमान में दो पायलट एवं 10 केबिन क्रू थे। दो इंजन वाला यह विमान उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद ही तेजी से नीचे की ओर आने लगा और सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास मेघानीनगर के सिविल अस्पत्ताल और बीजे मेडिकल कॉलेज के पांच मंजिला छात्रावास पर गिर गया।

हादसे के वक्त विमान में था 1,26,907 लीटर ईंधन

हादसे के वक्त विमान में 1,26,907 लीटर ईंधन था। उड़ान के समय उसकी ऊंचाई 625 फीट थी। विमान क्रैश होते ही उसके ईंधन ने आग पकड़ ली। तेज धमाके से उसके परखच्चे उड़ गए, विमान ज्वालामुखी की तरह धधक उठा। घने काले धुएं का गुबार काफी दूर तक देखा गया। भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि सड़कों पर शव बिखरे पड़े थे। ज्यादातर शव बुरी तरह से झुलस गए। उनकी पहचान भी नहीं हो पा रही है।

एविएशन उद्योग के जानकारों का मानना है कि एयर इंडिया का हादसे का शिकार प्लेन बोइंग ड्रीमलाइन 787-8 था। इस जेट के क्रैश से जुड़ा इंश्योरेंस क्लेम 21 करोड डालर से 28 करोड़ डालर के बीच हो सकता है। भारतीय मुद्रा में यह राशि 2,400 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है।

गुजरात के अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास गुरुवार को हुआ एयर इंडिया विमान हादसा देश में अब तक का सबसे महंगा विमान हादसा साबित हो सकता है। ऐसी आशंका बीमा कंपनी और एयरलाइन के बीच करार को देखते हुए आशंका जताई जा रही है। माना जा रहा है कि इस हादसे के बाद बीमा कंपनियों को को एविएशन इंश्योरेंस क्लेम के रूप में अभूतपूर्व राशि चुकानी पड़ सकती है। अहमदाबाद विमान हादसे में विमान पर सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई और विमान पूरी तरह तबाह हो गया। हादसे की चपेट में आकर कई आम लोग भी अपनी जान गंवा बैठे।

बीमा कंपनियों को कितनी राशि का भुगतान करना पड़ सकता है?

एविएशन उद्योग के जानकारों का मानना है कि एयर इंडिया का हादसे का शिकार प्लेन बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8 था। इस जेट के क्रैश से जुड़ा इंश्योरेंस क्लेम 21 करोड डॉलर से 28 करोड़ डॉलर के बीच हो सकता है। भारतीय मुद्रा में यह राशि 2,400 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है।

विमानों के बीमा में क्या-क्या होता है शामिल?

विमान हादसों के मामलों में एयरलाइन कंपनियां आमतौर पर एयरक्राफ्ट हुल इंश्योरेंस, स्पेयर पाट्र्स इंश्योरेंस और कानूनी जिम्मेदारियों (लीगल लायबिलिटी) के लिए इंश्योरेंस लेती हैं। इस मामले में एयर इंडिया की ओर से लिया गया इंश्योरेंस दोनों ही हिस्सों- यानी विमान की क्षति और यात्रियों की मौत, दोनों को कवर करता है। खबरों के अनुसार एअर इंडिया ने अपने विमान का बीमा जीआईसी आरई और टाटा एआईजी से करा रखा है। ऐसे में हादसे के बाद इंश्योरेंश क्लेम की राशि इन्ही दोनों कंपनियों को चुकानी है।

कैसे तय की जाती है बीमा क्लेम की राशि?

एविएशन इंश्योरेंशन से जुड़े जानकारों के अनुसार, ऐसे मामलों में एयरक्राफ्ट का घोषित मूल्य इंश्योरेंस कंपनी को बताया जाता है और उसी के आधार पर नुकसान का मूल्यांकन होता है। इस हादसे में शामिल एयरक्राफ्ट एक 2013 मॉडल का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर था। इसकी इंश्योरेंस वैल्यू वर्ष 2021 में करीब 115 मिलियन डॉलर थी। हालांकि इस क्लास के विमानों की मौजूदा वैल्यू 211 से 280 मिलियन डॉलर के बीच मानी जा रही है, जो उसकी उम्र और कॉन्फिगरेशन पर निर्भर करती है।

वार और आतंकी हमले के कवर का असर कैसे कवर होता है?

जानकार बताते हैं कि एयरलाइंस कंपनियां आमतौर पर एक अतिरिक्त कवर भी लेती हैं जिसे हुल वॉर रिस्क इंश्योरेंस कहा जाता है। अगर दुर्घटना आतंकवादी हमले या युद्ध जैसे हालातों की वजह से होती है, तो यह कवर भी एक्टिवेट हो सकता है। हालांकि, इस मामले में ऐसी कोई पुष्टि नहीं की गई है।

क्या इंश्योरेंस और रीइंश्योरेंस कंपनियों पर दबाव बढ़ेगा?

इस दुर्घटना में सबसे बड़ा क्लेम यात्रियों और थर्ड पार्टी के नुकसान को लेकर होगा। चूंकि विमान रिहायशी इलाके में गिरा, इससे थर्ड पार्टी को भी नुकसान हुआ है। इस तरह के क्लेम अक्सर कई इंश्योरेंस और रीइंश्योरेंस कंपनियों में बांटे जाते हैं।

यात्रियों के परिवारों को मुआवजे की गणना कैसे होगी?

मृत यात्रियों के परिवारों को मिलने वाला मुआवजा डवदजतमंस ब्वदअमदजपवद 1999 के तहत तय किया जाएगा, जिसमें भारत 2009 में शामिल हुआ था। इसके अनुसार, एक व्यक्ति के लिए 128,821 स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (क्) तक मुआवजा दिया जा सकता है। अक्तूबर 2024 तक के रेट के मुताबिक यह राशि करीब 1.33 डॉलर प्रति एसडीआर यानी भारतीय रुपयों में करीब 120 रुपये होती है। यानी इस मामले में जान गंवाने वाले हर व्यक्ति के परिजन को करीब एक करोड़ 54 लाख तक की राशि का भुगतान बीमा कंपनियों को करना पड़ सकता है।

टाटा ग्रुप ने की कितनी सहायता की घोषणा की है?

चूंकि एयर इंडिया अब टाटा ग्रुप का हिस्सा है, इसलिए समूह ने इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले प्रत्येक यात्री के परिजनों को 1 करोड़ रुपये की अंतरिम सहायता देने की घोषणा की है। हालांकि अंतिम मुआवजा इंश्योरेंस के नियमों के तहत तय होगा।

'आप कहां फोकस...'

महिलाओं को गलत तरीके से दिखाने पर ट्रोल हुए तरुण मनसुखानी, आडियंस के सिर पर फोड़ा ठीकरा

हाउसफुल 5 पर लगा महिलाओं को गलत तरीके से दिखाने का आरोप
फिल्म के डायरेक्टर तरुण मनसुखानी ने तोड़ी चुप्पी
लोगों के देखने के नजरिए पर उठाए सवाल

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन और रितेश देशमुख स्टारर हाउसफुल 5 की चर्चा बॉलीवुड के गलियारों में खूब चल रही है। साजिद नाडियाडवाला की हिट फ्रेंचाइजी की पांचवीं फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर सफलता मिल रही है। दर्शकों से फिल्म को मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली है। क्रिटिक्स ने फिल्म को बेहतर बताया है।

वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि हाउसफुल 5 को इसकी तमाम पिछली फिल्मों से बेहतरीन ढंग से बनाया गया है। इसमें नजर आने वाली एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा ने वकील लूसी का किरदार निभाया है। उनके कुछ सीन्स पर लोगों ने आपत्ति जरूर दिखाई। इस बीच फिल्म के डायरेक्टर ने इस मामले पर चुप्पी तोड़ी है।

हाउसफुल 5 पर क्या बोले डायरेक्टर?

अक्षय कुमार की हाउसफुल 5 भी हिट होने की राह पर चल पड़ी है। यह उनकी इस साल की तीसरी फिल्म है, जिसे बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। हाउसफुल फ्रेंचाइजी की कॉमेडी को हमेशा ही सराहा जाता है, लेकिन इस बार हाउसफुल 5 में अभिनेत्रियों को वस्तु के रूप में पेश करने पर बहस छिड़ी हुई है। इसमें पांच एक्ट्रेस हैं, जैकलीन, नरगिस फाखरी, सोनम बाजवा, चित्रांगदा सिंह और सौंदर्या शर्मा। सोशल मीडिया यूजर्स बिग बॉस फेम सौंदर्या के कुछ सीन्स पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

अक्षय कुमार की हालिया रिलीज हाउसफुल 5 की खूब चर्चा हो रही है। फिल्म की कामेडी को दर्शकों ने इंप्रेस किया है। वहीं कुछ लोगों ने फिल्म में महिलाओं को दिखाने के तरीके पर सवाल खड़े किए हैं। खासकर सौंदर्या शर्मा के सीन्स पर यूजर्स नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। इस बीच फिल्म के डायरेक्टर ने मामले में चुप्पी तोड़ी है।

सगाई के तुरंत बाद अविका गौर ने मंगेतर संग लिया बड़ा फैसला

फैंस को मिलेगा सरप्राइज

एंटरटेनमेंट डेस्क। बालिका वधू' से घर–घर में आनंदी के नाम से मशहूर हुईं अविका गोर अब अपने जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत करने जा रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड मिलिंद चंदवानी के साथ सगाई कर ली है और जल्द ही ये जोड़ी रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में साथ नजर आने वाली है।

टीवी की फेमस एक्ट्रेस अविका गोर ने हाल ही में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड मिलिंद चंदवानी के साथ जिंदगी की नई शुरूआत की है। उन्होंने मिलिंद चंदवानी के साथ सगाई कर ली है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हुईं। अब खबर आ रही है कि ये जोड़ी कलर्स टीवी के शो 'पति, पत्नी और पंगा' में नजर आने वाले हैं।

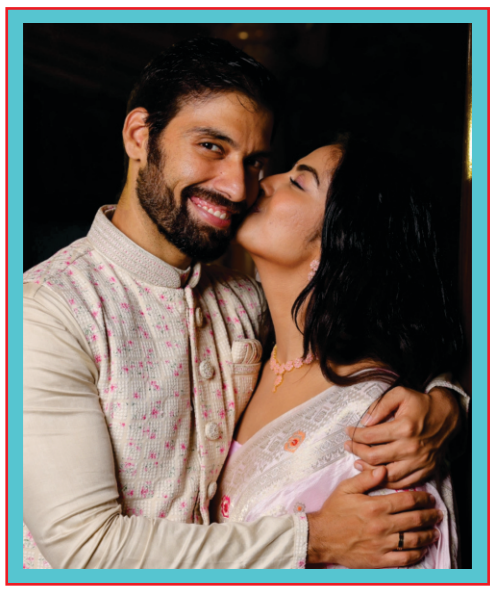

अविका ने इंस्टाग्राम पर शेयर की न्यूज

अविका ने इंस्टाग्राम पर सगाई की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा कि उन्होंने मिलिंद के प्रपोज करने पर हां कह दी और ये पल उनके लिए बेहद इमोशनल और फिल्मी रहा। उन्होंने ये भी बताया कि वह जहां एक तरफ इमोशनल और ड्रामेटिक हैं, वहीं मिलिंद बेहद शांत, सुलझे हुए और हर परिस्थिति के लिए तैयार रहने वाले इंसान हैं।

उनकी पोस्ट में दोनों एक साथ काफी क्यूट लग रहे थे। वहीं फैन्स को दोनों की जोड़ी देखकर ऐसा लगा जैसे कोई रोमांटिक फिल्म देख रहे हों। तस्वीरों में दोनों की केमिस्ट्री देख फैन्स और टीवी इंडस्ट्री के सितारों ने उन्हें जमकर बधाइयां दीं।

टीवी सितारों ने दी बधाइयां

शांतनु महेश्वरी और वर्धन पुरी जैसे नामी सितारों ने उन्हें बधाइयां देते हुए कमेंट्स किए। अविका की ये पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। फैंस इस जोड़ी को टीवी पर देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

पति, पत्नी और पंगा में नजर आएंगी जोड़ी

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सगाई के बाद ये जोड़ी रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में साथ नजर आने वाली है, जहां दर्शकों को उनकी रियल लाइफ बॉन्डिंग देखने को मिलेगी। ये शो रिलेशनशिप पर आधारित है और हाल ही में हिना खान और रॉकी जायसवाल के बाद अब अविका और मिलिंद की जोड़ी भी इस शो को लेकर एक और आकर्षण बन चुकी है।

प्यार की नई शुरुआत

अविका और मिलिंद दोनों ही सोशल वर्क से भी जुड़े रहे हैं। जहां मिलिंद एक एनजीओ चलाते हैं, वहीं अविका सामाजिक मुद्दों पर भी अपनी राय रखती आई हैं। दोनों की जोड़ी को लोग एक आइडियल कपल मानते हैं। इस नए सफर की शुरुआत को लेकर दोनों काफी उत्साहित हैं और सोशल मीडिया पर उनकी जोड़ी को लेकर खूब चर्चाएं हैं। दर्शकों को अब न सिर्फ उनकी लव स्टोरी बल्कि उनकी रियल केमिस्ट्री देखने का मौका मिलेगा।

एक्अर के किस करने पर रवीना टंडन को हुई उल्टी

बोलीं– मुझे घिन आई, कम से कम 100 बार मुंह धोया, बर्दाश्त नहीं हुआ

मुंबई। रवीना टंडन 90 के दशक की स्टार एक्ट्रेस रही हैं। एक्टिंग, खूबसूरती के साथ वो अपने बोल्डनेस के लिए भी जानी जाती थीं। रवीना ने स्क्रीन पर टिप–टिप बरसा जैसा सेंशुअस गाना भी किया है। हालांकि, वो किसिंग सीन को लेकर सहज नहीं थीं। उन्होंने नो किसिंग सीन की पॉलिसी रखी थी। हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि सेट पर हीरो ने उन्हें अचानक किस कर लिया था, जिससे उन्हें घिन आई और वो सीधे ब्रश करने चली गईं।

एक इंटरव्यू में रवीना इस घटना और नो किस पॉलिसी पर बात की। उन्होंने बताया कि नो किसिंग सीन को लेकर कोई कॉन्ट्रैक्ट नहीं था, लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि वह कभी भी किसी को–एक्टर को पर्दे पर किस नहीं करेंगी। लेकिन एक बार शूटिंग के दौरान हीरो ने सीन को बुरी तरह से हैंडल किया।

रवीना कहती हैं– 'मुझे याद है कि मैं एक मेल एक्टर के साथ थोड़ा रफ हैंडलिंग सीन कर रही थी और गलती से उनके लिप मेरे लिप से टच हो गए थे। यह गलती से हुआ, इसकी जरूरत भी नहीं थी। यह एक गलती थी।'

एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उस घटना के बाद उन्हें घिन आ रही थी और उन्होंने उल्टी हो गई। रवीना ने कहा, 'मैं अपने कमरे में गई और उल्टी कर दी क्योंकि मैं बिल्कुल भी सहज नहीं थी। शॉट खत्म हो गया और मैं ऊपर चली गई। मुझे उल्टी सी महसूस हुई। मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकी। मैंने खुद से कहा नहीं। प्लीज, अपने दांत साफ करो, अपना मुंह 100 बार धोओ।' रवीना ने आगे बताती हैं कि हालांकि, उस एक्टर का ऐसा कोई इरादा नहीं था, यह गलती से हुआ था। बाद में, एक्टर ने शॉट के बाद उनसे माफी भी मांगी थी।

अभिषेक से पहली मुलाकात पर हुआ था कुछ ऐसा कि आज भी हंसती हैं ऐश्वर्या

एंटरटेनमेंट डेस्क ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन बॉलीवुड के सबसे ज्यादा चर्चित जोड़ों में से एक हैं। दोनों ने साल 2007 में धूमधाम से शादी की थी। तब से दोनों एक साथ हैं। वह दोनों एक दूसरे का पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों तरह से साथ देते हैं। उनका रिश्ता तब से और मजबूत हुआ है जबसे दोनों ने अपनी बेटी आराध्या का स्वागत किया है। एक इंटरव्यू में अभिषेक बच्चन ने बताया है कि जब वह ऐश्वर्या से मिले थे उनका रिएक्शन कैसा था।

ऐश्वर्या से फिल्म के सेट पर मिले थे अभिषेक

साल 2021 में अभिषेक बच्चन ने द रणवीर शो में खुलासा किया कि जब वह पहली बार ऐश्वर्या से मिले थे, तो वह उनकी कही बात नहीं समझ पाई थीं। अभिषेक ऐश्वर्या से पहली बार 'और प्यार हो गया' के सेट पर मिले थे। अभिषेक ने बताया 'मेरे दोस्त बॉबी देओल अपनी फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। मैं भी उसी जगह पर था, मैं उसे हाई कहने गया। उन्होंने मुझे डिनर के लिए बुलाया, तभी मैं पहली बार ऐश्वर्या से मिला।' यह बहुत साधारण था लेकिन दोनों के लिए यह लम्हा यादगार बन गया।

उस लम्हे को याद करते हुए अभिषेक बच्चन ने यह माना कि ऐश्वर्या को उन्हें समझने में दिक्कत हुई। उन्होंने कहा 'जब भी वह इसके बारे में बात करती हैं, वह मजाक में कहती हैं 'जो कुछ तुम कह रहे थे उसमें से मैं एक शब्द भी नहीं समझ पा रही थी। मुझे उस वक्त ऊंचा सुनाई दे रहा था।'' अभिषेक ने बताया कि उनकी पढ़ाई बोस्टन में हुई थी।

भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी

बेल्जियम को लगातार तीसरे मैच में हराया

स्पोर्ट्स डेस्क। बेल्जियम ने 37वें और 40वें मिनट में लगातार गोल करके मैच को बराबरी पर ला दिया। खेल समाप्त होने में जब नौ मिनट बचे थे, तब कनिका ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत का विजय अभियान जारी रखा। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है और उसने बेल्जियम के खिलाफ लगातार तीसरी जीत दर्ज की है। यूरोप के अपने मौजूदा दौरे पर भारतीय टीम ने बेल्जियम को 3–2 से मात दी। सोनम ने चौथे मिनट में भारत का खाता खोला। इसके बाद लालथंतलुआंगी (32वें मिनट) और कनिका सिवाच (51वें मिनट) ने भारत की तरफ से गोल किए।

बेल्जियम के लिए मैरी गोएन्स (37वें) और मार्टे मैरी (40वें) ने गोल किए। सोनम के शुरुआती गोल के बाद भारत ने पहले हाफ में अपना दबदबा कायम रखा और तीसरे क्वार्टर में लालथंतलुआंगी के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से अपनी बढ़त को मजबूत कर दिया। बेल्जियम ने 37वें और 40वें मिनट में लगातार गोल करके मैच को बराबरी पर ला दिया। उसकी तरफ से मैरी गोएन्स ने पेनल्टी स्ट्रोक पर जबकि मार्टे मैरी ने मैदानी गोल किया। खेल समाप्त होने में जब नौ मिनट बचे थे, तब कनिका ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत का विजय अभियान जारी रखा। भारत का अगला मुकाबला शनिवार को ऑस्ट्रेलिया से होगा।

हैंडबाल के इंडिया कैंप के लिए हिमाचल की आठ बेटियों का चयन

11वीं एशियन अंडर–18 यूथ वुमन हैंडबाल प्रतियोगिता के लिए हिमाचल की आठ बेटियों को शामिल किया गया है।

संवाद न्यूज एजेंसी, बिलासपुर । चीन में होने वाली 11वीं एशियन अंडर–18 यूथ वुमन हैंडबाल प्रतियोगिता के लिए इंडिया कैंप में चुनी गई 28 खिलाड़ियों में हिमाचल से आठ महिलाओं को शामिल किया गया है। कैंप के बाद 18 महिला खिलाड़ियों का चयन होना है। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए टीम 14 जुलाई को रवाना होगी।

गुजरात के गांधीनगर में राष्ट्रीय कैंप 13 जुलाई तक चलेगा। कैंप में देशभर की 70 महिला खिलाड़ियों में से 28 को चुना गया है। यहीं से टीम इंडिया को चुना जाएगा। हैंडबाल कोच स्नेहलता ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों में गोलकीपर नेहा चौहान और काजल, लेफ्ट बैक शिवानी देवी, लेफ्ट विंग रिद्धिमा, राइट बैक मुस्कान, सेंटर बैक गरिमा, पीवोट कनिष्का और राइट विंग शिक्षा को शामिल किया गया है। शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी मोरसिंघी हैंडबाल नर्सरी से तैयार हुई हैं।

स्नेहलता ने बताया कि कैंप के बाद चयनित 18 सदस्यीय टीम 14 जुलाई को चीन रवाना होगी। जहां 11वीं एशियन अंडर–18 यूथ वुमन हैंडबाल प्रतियोगिता होगी। इस दौरान टीम के साथ मुख्य कोच सचिन और कोच विनॉय, नवीन पुनिया और मनीषा राठौर भी रहेंगे। स्नेहलता ने कहा कि प्रदेश से एक साथ आठ खिलाड़ियों का कैंप के लिए चुना जाना गर्व का विषय है। उम्मीद है कि कैंप के बाद हिमाचल से गईं खिलाड़ी टीम इंडिया में भी स्थान बनाएंगी और प्रतियोगिता में दमदार प्रदर्शन कर देश का नाम चमकाएंगी।

22 गज की पिच पर विपक्षी बल्लेबाजों की गिल्लियां बिखेर रहीं आठ साल की माधवी

22 गज की पिच पर आठ साल की माधवी गिल्लियां बिखेर रही हैं। खास बात यह है कि माधवी यह प्रदर्शन अंडर–19 टीम के लिए कर रही हैं। इन दिनों अंडर–19 महिला क्रिकेट प्रतियोगिता चल रही है। माधवी को चंबा जिले की टीम में बतौर तेज गेंदबाज जगह दी गई है। माधवी अपनी से दोगुना उम्र की क्रिकेटरों को टक्कर दे रही हैं। तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली चंबा के चुराह क्षेत्र के थली गांव की माधवी ने पहले मुकाबले में लाहौल–स्पीति के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट लिए।

दूसरे मुकाबले में मंडी के खिलाफ एक विकेट झटका। यह प्रतियोगिता चंडीगढ़ में खेली जा रही है। इस सत्र दोनों मुकाबलों में इनका प्रदर्शन सराहनीय रहा है। वहीं, आठ साल की माधवी इन दिनों चर्चा का विषय बनी हैं। माधवी के पिता ध्यान सिंह केंद्रीय विद्यालय में शिक्षक हैं। माधवी को क्रिकेट का जुनून है। पिता ने बेटी को बनीखेत स्थित हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सब सेंटर बनीखेत में प्रशिक्षण के लिए भेजा। माधवी ने यहां प्रशिक्षण हासिल किया और चयनकर्ताओं की नजर अपनी ओर खिंची। इधर, कोच अंतरिक्ष शर्मा ने बताया कि माधवी काफी मेहनत कर रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले मुकाबलों में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगी।

पोलैंड फुटबाल टीम के कोच मिशल प्रोबिएरज ने दिया इस्तीफा

स्पोर्ट्स डेस्क। प्रोबिएरज ने इस सप्ताह की शुरुआत में फिनलैंड के खिलाफ विश्व कप क्वालिफायर की पूर्व संध्या पर बार्सिलोना के स्ट्राइकर लेवेंडोवस्की को टीम के कप्तान के पद से हटा दिया और उनकी जगह इंटर मिलान के मिडफील्डर पिओटर जिलिंस्की को नया कप्तान नियुक्त किया था।

पोलैंड की राष्ट्रीय फुटबाल टीम के कोच मिशल प्रोबिएरज ने स्टार स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवेंडोवस्की के साथ विवाद के कुछ दिनों बाद मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। पोलैंड फुटबाल संघ द्वारा जारी बयान में प्रोबिएरज ने कहा, मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए राष्ट्रीय टीम के हित में सबसे अच्छा निर्णय मुख्य कोच के पद से मेरा इस्तीफा है।

प्रोबिएरज ने इस सप्ताह की शुरुआत में फिनलैंड के खिलाफ विश्व कप क्वालिफायर की पूर्व संध्या पर बार्सिलोना के स्ट्राइकर लेवेंडोवस्की को टीम के कप्तान के पद से हटा दिया और उनकी जगह इंटर मिलान के मिडफील्डर पिओटर जिलिंस्की को नया कप्तान नियुक्त किया था। लेवेंडोवस्की को यह फैसला नागवार गुजरा और उन्होंने घोषणा की कि जब तक प्रोबिएरज मुख्य कोच बने रहेंगे, तब तक वे राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेलेंगे। पोलैंड को फिनलैंड से 2–1 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे उसकी विश्वकप के लिए क्वालिफाई करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है।

अंतिम मिनट में पेनल्टी पर किया गोल खारिज

भारतीय पुरुष हश्वकी टीम को अर्जेंटीना से मिली हार

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत ने आखिरी मिनटों में पेनल्टी पर गोल किया था, लेकिन इसे नाटकीय परिस्थितियों में खारिज कर दिया गया जो भारत की हार का कारण बना। भारतीय टीम की इस दौरे पर यह चार मैचों में चौथी हार है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एएफआईएच प्रो लीग मुकाबले में अर्जेंटीना से 1–2 से हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने आखिरी मिनटों में पेनल्टी पर गोल किया था, लेकिन इसे नाटकीय परिस्थितियों में खारिज कर दिया गया जो भारत की हार का कारण बना। भारतीय टीम की इस दौरे पर यह चार मैचों में चौथी हार है।

ड्रैग फ्लिकर जुगराज ने चौथे मिनट में ही मैच के पहले पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत को बढ़त दिलाई, लेकिन टॉमस डोमेने (नौवें और 49वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर से दो गोल करके अर्जेंटीना को जीत दिला दी। जुगराज गोल करने से चूके चौथे और अंतिम क्वार्टर में 1–2 से पिछड़ने के बाद भारत को अंतिम हूटर से दो मिनट पहले पेनल्टी स्ट्रोक मिला और जुगराज ने गेंद को अर्जेंटीना के गोल पोस्ट के अंदर डाल दिया। अर्जेंटीना ने इस आधार पर वीडियो रेफरल मांगा कि स्ट्रोक लेते समय जुगराज का बायां पैर गेंद से काफी आगे था। वीडियो अंपायर ने अर्जेंटीना के पक्ष में फैसला सुनाया लेकिन भारत की अगुआई कर रहे कप्तान हार्दिक सिंह ने रेफरी से यह जांचने के लिए कहा कि क्या जुगराज के स्ट्रोक लेने से पहले अर्जेंटीना के गोलकीपर टॉमस सैंटियागो गोल–लाइन से आगे थे।

इस बार भारत को वीडियो अंपायर से अनुकूल फैसला मिला। जुगराज को स्ट्रोक फिर से लेने की अनुमति दी गई, लेकिन इस बार सैंटियागो ने उनके शॉट को बचा लिया। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह अंगुली की चोट के कारण बाहर है ऐसे में हार्दिक ने भारत की अगुआई की। अर्जेंटीना को आठ पेनल्टी कॉर्नर मिले, जबकि भारत को सिर्फ तीन मिले।

भारत को इससे पहले बुधवार को इसी प्रतिद्वंद्वी से 3–4 से हार का सामना करना पड़ा था। भारत प्रो लीग के इस यूरोपीय चरण के दौरान ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड से 1–2 और 2–3 से हार गया था। यह भारत का यहां चौथा और आखिरी मैच था और अब टीम शनिवार को मजबूत ऑस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए बेल्जियम के एंटवर्प की यात्रा करेंगी।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

कामस–हेजलवुड, स्टार्क की तिकड़ी से काफी प्रभावित हैं हेडन

स्पोर्ट्स डेस्क। कमिंस ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में 28 रन देकर छह विकेट लिए। वहीं, स्टार्क ने दो और हेजलवुड ने एक विकेट लिया था। इन तीनों की शानदार गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 138 रन पर ऑलआउट हो गई थी और ऑस्ट्रेलिया की टीम 74 रनों की बढ़त लेने में सफल रही थी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने दावा करते हुए कहा है कि पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क की गेंदबाजी तिकड़ी ग्लेन मैक्ग्रा, ब्रेट ली और जेसन गिलेस्पी की तिकड़ी से बेहतर है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के दूसरे दिन कमिंस की अगुआई में ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजी आक्रामण ने अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे टीम बढ़त हासिल करने में सफल रही थी।

पहली पारी में क मस ने की शानदार गेंदबाजी

कमिंस ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में 28 रन देकर छह विकेट लिए। वहीं, स्टार्क ने दो और हेजलवुड ने एक विकेट लिया था। इन तीनों की शानदार गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 138 रन पर ऑलआउट हो गई थी और ऑस्ट्रेलिया की टीम 74 रनों की बढ़त लेने में सफल रही थी। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में आठ विकेट पर

144 रन बना लिए हैं और उसकी कुल बढ़त 218 रन हो गई है। दिन का खेल समाप्त होने तक मिचेल स्टार्क 16 और नाथन लियोन एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। हेडन ने कहा कि कमिंस ने सभी चीजें सही की है और ये तिकड़ी मैक्ग्रा–ली और गिलेस्पी की तुलना में अलग संयोजन से गेंदबाजी करती है। हेडन का मानना है कि दबाव के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने शानदार वापसी की। उन्होंने कहा, कमिंस हर काम सही तरीके से करते हैं। वे ऑफ स्टंप को चुनौती देते हैं, ढलान का इस्तेमाल करते हैं और स्टंप के ऊपरी हिस्से को निशाना बनाते हैं, जिससे बल्लेबाज लगातार खेलते हैं। चोट के कारण साढ़े पांच साल तक गेंदबाजी नहीं करने के बावजूद अब उनके पास 300 से ज्यादा टेस्ट विकेट हैं। यह असाधारण है।

हेडन ने कहा, हेजलवुड, कमिंस और स्टार्क की तिकड़ी ऑस्ट्रेलिया की अब तक की सबसे बेहतरीन पेस अटैक हो सकती है, मैकग्राथ, गिलेस्पी और ली से भी बेहतर क्योंकि उन्होंने एक साथ ज्यादा गेंदबाजी की है। इसमें नाथन लियोन को जोड़ दें, तो यह एक 'शानदार चौकड़ी' बन जाती है।

दबाव के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने बढ़त बनाने में अच्छा प्रदर्शन किया। दक्षिण अफ्रीका ने वापसी की, जिससे यह मुकाबला उतार–चढ़ाव वाला रहा। यह अब तक का शानदार टेस्ट मैच रहा है और तीसरे दिन और भी ज्यादा रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।